हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 24 जनवरी 2025 | अंक 103/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

ट्रंप के वो फैसले जिनसे मची है हलचल

डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मजात नागरिकता के अधिकार को किया खत्म

नई दिल्ली.

अमेरिका में फिर एक बार ट्रंप सरकार आ गई है. रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप। चुनाव में शानदार जीत हासिल कर अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बने हैं. शपथ लेने से पहले ही वो अमेरिका के आने वाले दिनों का खाका खींच चुके थे और शपथ लेने के फौरन बाद उन्होंने उस खाके में अपनी पसंद के रंग भी भर दिए. शपथ लेने के बाद से वो बाइडेन सरकार की 78 नीतियों को रद्द कर चुके हैं. कई नए फैसलों के लिए एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी कर चुके हैं और कई पाइपलाइन में हैं. ट्रंप दुनिया के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति हैं और उनके हर फ़ैसले का असर दुनिया भर में होता है. एनडीटीवी एक्स्प्लेनर में आज ऐसे ही कुछ फैसलों पर विस्तार से बात जो दुनिया और भारत को काफ़ी प्रभावित करने वाले हैं. शपथ ग्रहण के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले संबोधन में कहा, "सबसे पहले मैं अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय इमरजेंसी का ऐलान करता हूं.

हर ग़ैरक़ानूनी प्रवेश तुरंत रोका जाएगा. हम लाखों आपराधिक विदेशियों को वापस उस जगह भेजने की प्रक्रिया शुरू करेंगे जहां से वो आए थे. मैं अपनी 'रिमेन इन मेक्सिको' पॉलिसी बहाल करूंगा. मैं गिरफ़्तार कर छोड़ देने की प्रक्रिया ख़त्म करूंगा. मैं दक्षिणी सीमाओं पर सेना को भेजूंगा ताकि वहां से हमारे देश पर ख़तरनाक आक्रमण को पलटा जा सके. मेक्सिको अमेरिका के दक्षिण में है और दोनों देशों की सीमाएं आपस में लगती हैं. इसलिए अमेरिका में सबसे ज़्यादा आप्रवासी भी मेक्सिको के रास्ते ही आते हैं.

अमेरिका में लगभग हर चौथा आप्रवासी मेक्सिको का है. 2022 में मेक्सिको से आए एक करोड़ छह लाख आप्रवासी अमेरिका में थे. इनमें से कई वैध तौर पर अमेरिका में रहते हैं और कई अवैध तौर पर अपनी ज़िंदगी बेहतर करने का सपना लिए अमेरिका में घुसते हैं.

उन्हें अमेरिका की सीमा में प्रवेश दिलाने के लिए कई संगठित गिरोह भी काम करते हैं. ट्रंप अवैध आप्रवासियों को अमेरिका के संसाधनों पर बोझ मानते रहे हैं. डोनाल्ड ट्रंप के फ़ैसले का तुरंत असर ये हुआ कि जो बाइडेन सरकार में शरण मांगने की प्रक्रिया से जुड़ा ऐप ही बंद कर दिया गया. इसके तहत 30 हज़ार एपाइंटमेंट लिए गए थे. ट्रंप के सलाहकार स्टीफ़न मिलर ने कहा कि दरवाज़े बंद हो गए हैं. अमेरिका में घुसने की इच्छा रखने वाले अवैध विदेशियों को अब वापस चले जाना चाहिए.

इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको में अवैध नशे से जुड़े संगठित गिरोहों को भी आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया. डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभालते ही जो एक और बड़ा फ़ैसला लिया है वो बर्थराइट सिटिज़नशिप यानी जन्मसिद्ध नागरिकता को निशाने पर लेता है. अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के लिए ट्रंप का फैसला और मुश्किल पैदा करने वाला है. कैलिफोर्निया में रहने वाले विजय (बदला हुआ नाम) अमेरिका में अवैध तरीके से गए थे और वो वहां पिछले 8 सालों से रह रहे हैं. उनकी पत्नी सात महीने की प्रेग्नेंट हैं. वो कहते हैं कि ट्रंप प्रशासन के फैसले ने उन्हें तोड़कर रख दिया है. विजय कहते हैं, 'हमने शरण की मांग करने की सोची थी लेकिन तभी मेरी पत्नी प्रेग्नेंट हो गईं और हमारे वकील ने हमें सुझाव दिया कि बच्चे के जरिए हमें अमेरिका का नागरिकता अपने आप मिल जाएगी. लेकिन अब हमें कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा.

अमेरिका में अवैध आप्रवासियों की शामत

अवैध आप्रवासियों को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्ती किसी से छुपी नहीं है. उन्हें लगता है कि अमेरिका की मेहनत का पैसा अवैध आप्रवासियों को पालने में लग रहा है. अमेरिका की सीमाओं से होने वाली मानव तस्करी को ख़त्म करने की वो ठान चुके थे और सत्ता में आते ही उन्होंने सबसे शुरुआती फ़ैसलों में इसी पर अमल किया. अपने पहले भाषण में सबसे पहले मुद्दे के तौर पर उन्होंने इसी का ज़िक्र किया और अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए अमेरिका की दक्षिणी सीमाओं पर इमरजेंसी लगा दी.

सी-सेक्शन के लिए युएस में लगी भारतीय महिलाओं की लाइन

डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा सत्ता में आते ही जन्मजात नागरिकता को समाप्त कर दिया है. इससे अमेरिका में रहकर काम करने वाले उन भारतीयों को झटका लगा है जो वहां अपने बच्चे को जन्म देकर नागरिकता हासिल करना चाहते थे. अब जो भारतीय महिलाएं अपनी प्रेग्नेंसी से सातवें या आठवें महीने में हैं, वो 20 फरवरी को ट्रंप का आदेश लागू होने से पहले सी सेक्शन के जरिए अपने बच्चे को जन्म देना चाहती हैं. अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पद ग्रहण करते ही जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता को खत्म करने की घोषणा कर दी. ट्रंप ने आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन का समय दिया है. इस आदेश के लागू होने के बाद अवैध प्रवासियों या वीजा पर अमेरिका में रहने वाले लोगों के उन बच्चों को अमेरिकी नागरिकता नहीं मिल पाएगी जिनका जन्म अमेरिका में हुआ है. ट्रंप की इस घोषणा के साथ ही अमेरिका में समय से पहले डिलीवरी कराने की बाढ़ सी आ गई है.

केंद्र सरकार हमें फंड नहीं दे रही: बनर्जी

नई दिल्ली.

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 128वीं जयंती पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। अलीपुरद्वार में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सीएम ममता ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर फंड ना देने का आरोप लगाया है। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, ''केंद्र सरकार हमें फंड नहीं दे रही है। लेकिन हम भीख नहीं मांग रहे हैं। हम आत्मसम्मान के साथ लड़ रहे हैं।"

ममता बनर्जी ने यहां ये भी घोषणा की कि हम चाय बागानों में काम करने वालों को जमीन के पट्टे दे रहे हैं। हम चाय बागानों में काम करने वाले प्रत्येक श्रमिक को घर बनाने के लिए 1,20,000 रुपये भी दे रहे हैं। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, ''नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश के लिए योजना आयोग की स्थापना की थी, जिसे अब खत्म कर दिया गया है।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। नेताजी का जन्मदिन तो हमें पता है, लेकिन उनका निधन कब और कैसे हुआ...आज भी रहस्य है। यह सोचकर दुख होता है कि वह एक षड्यंत्र का शिकार हुए हैं।'' ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा के लिए धन आवंटित नहीं कर रही है।

लेकिन हमने भीख मांगने की जगह 'कर्मश्री योजना' शुरू की है, दिससे लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।'' ममता बनर्जी ने समारोह में अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र जयगांव में अवैध कब्जों के मुद्दे पर भी चर्चा की। सीएम ममता ने कहा, अवैध कब्जों के मामलों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए...इसके लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं। इस क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने ये भी कहा कि गैरकानूनी कार्यों में लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।''

बीपीएससी रिजल्ट घोषित, 21581 पास, 328990 ने दिया था एग्जाम

पटना. बिहार लोक सेवा आयोग ने 70वीं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं. यह वो ही परीक्षा है, जिसे लेकर पटना में काफी बवाल हुआ था और अभी भी परीक्षा से जुड़ा मामला कोर्ट में है. कुल 328990 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे जिनमें से 21581 परीक्षार्थी पास हुए हैं. सफल उम्मीदवार अपना परिणाम आयोग की आधिकारिक वेबसाइट http://bpsc.bihar.gov.in पर देख सकते हैं. परीक्षा के नतीजे भले ही घोषित कर दिए गए हो, लेकिन अभी 31 जनवरी को इस परीक्षा को लेकर पटना हाईकोर्ट का फैसला आना बाकी है.

दरअसल, परीक्ष रद्द और री-एग्जाम की मांग कर रहे अभ्यर्थियों की याचिका पर पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार और आयोग (बीपीएससी) से जवाब मांगा था. कोर्ट ने सरकार और आयोग को 30 जनवरी तक हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा था. कोर्ट ने सिर्फ जवाब मांगा था, लेकिन परीक्षा के नतीजों पर रोक नहीं लगाई थी. परीक्षा का विज्ञापन सितंबर 2024 में जारी किया गया था और इसमें 4,83,000 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया. 13 दिसंबर 2024 को दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच आयोजित की गई, जिसमें अभ्यर्थियों को सामान्य ज्ञान के 150 प्रश्नों के उत्तर देने थे. इसके बाद परीक्षा को लेकर बवाल हुआ. परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग कर रहे थे. अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया था कि पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर छात्रों को पेपर देरी से मिला था और पेपर की सील पहले से खुली हुई थी. परीक्षा के दिन इससे नाराज परीक्षार्थियों ने दूसरे एग्जाम रूम में जाकर परीक्षार्थियों की शीट और पेपर फेंक दिए थे, जिसकी पुष्टि एग्जाम रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी हुई. इसके बाद काफी लंबा विरोध प्रदर्शन हुआ. इसके बाद आयोग (बीपीएससी) ने जांच के बाद केवल बापू एग्जाम सेंटर की परीक्षा रद्द कर 4 जनवरी को फिर से आयोजित की.

परीक्षा 2,031 पदों के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें 200 एसडीएम, 136 डीएसपी और अन्य राजपत्रित अधिकारी पद शामिल थे, जिससे यह पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ी भर्ती प्रक्रिया बनी. अब परीक्षा की मेंस परीक्षा के लिए भी आयोग तैयारी कर रहा है.

एक देश-एक चुनाव पर जेपीसी की दूसरी बैठक 31 को

नई दिल्ली.

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री 26-27 जनवरी को द्विपक्षीय वार्ता के लिए चीन जाएंगे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री 26-27 जनवरी को चीन की यात्रा करेंगे, जहां वे दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच आपसी संबंधों के अगले कदमों पर चर्चा करेंगे. यह यात्रा हाल ही में नई दिल्ली और बीजिंग द्वारा दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव कम करने के प्रयासों के बाद हो रही है.

विदेश सचिव की यह यात्रा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल द्वारा चीन में विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के एक महीने बाद हो रही है, जिसमें उन्होंने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक निष्पक्ष और उचित रूपरेखा की मांग करते हुए समग्र भारत-चीन संबंधों पर एक राजनीतिक दृष्टिकोण बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया था.

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच दिसंबर में स्पेशल रिप्रेंजेंटेटिव लेवल की बातचीत हुई थी. यह अहम बैठक हाल ही में पूर्वी लद्दाख में सीमा पर पेट्रोलिंग पॉइंट्स और सैन्य डिसइंगेजमेंट को लेकर हुई बातचीत के बाद आयोजित की गई थी. बैठक के बाद चीन ने कहा कि दोनों देशों द्वारा जारी किए गए बयानों में 'बहुत समान सार और तत्व' हैं, जो बड़ी सहमति को दर्शाते हैं. चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बातचीत के नतीजों पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बताया कि सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों वांग और डोभाल ने 'सकारात्मक और रचनात्मक रुख' अपनाते हुए चीन-भारत सीमा मुद्दे पर 'सार्थक बातचीत' की और छह सूत्रीय 'सहमति' पर पहुंचे. चीनी प्रवक्ता ने कहा, 'दोनों पक्षों के बयानों में बहुत हद तक समानता और तत्व हैं.' बातचीत के बाद चीन ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच छह सूत्रीय सहमति बन गई है. लिन ने कहा कि दोनों देशों के मूल्यवान संसाधनों को विकास में लगाना, यह सुनिश्चित करना कि सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों में उचित रूप से रखा जाए, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखना और जल्द से जल्द चीन-भारत संबंधों को स्वस्थ और स्थिर रास्ते पर लाने की कोशिश करना अहम है.

18 साल से पहचान छिपाकर रह रहा था अफगान नागरिक

मुंबई. अपनी पहचान छुपाकर भारत में रह रहे अफगान नागरिक हबीबुल्लाह प्रांग को कोर्ट ने मुंबई में दोषी पाया है. उसे 11 महीने जेल की सजा सुनाई गई है और 8000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. इसके बाद उसे अफगानिस्तान वापस डिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है. वह 2007 यानी 18 साल से मुंबई में रह रहा था. मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 5 ने फरवरी 2024 में एक रेड के दौरान उसे गिरफ्तार किया था. 38 वर्षीय हबीबुल्लाह प्रांग (उर्फ जहीर अली खान) मूल रूप से अफगानिस्तान के पाकिता प्रांत के तामेर जुरमत जिले का रहने वाला है. वह 2007 से मुंबई के वडाला में रह रहा था. उसने जाली दस्तावेज बनवा रखे थे.

लॉस एंजिलिस से 50 मील दूरी पर फिर भड़की आग

लॉस एंजिल्स. अमेरिका में एक बार फिर आग भड़क गई है, जिसके बाद हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर शरण लेनी पड़ी है. अमेरिका के लिए यह चिंता की बात इसलिए भी है, क्योंकि हाल ही में लॉस एंजिल्स में आग लगने की दो बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं. लॉस एंजिल्स में धधक रही ये आग कास्टेइक झील के पास के इलाके के जंगल में लगी है. यह क्षेत्र उत्तर पश्चिमी लॉस एंजिल्स में स्थित है. आग ने 8 हजार एकड़ यानी 3,200 हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है. झील के आसपास रहने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया गया है. लॉस एंजिल्स क्षेत्र में तेज और शुष्क सांता एना हवाएं चल रही हैं, जिसके कारण ही आग भड़की है. इसके कारण धुएं का विशाल गुबार उठ रहा है. आशंका है कि यह आग और ज्यादा बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले सकती है. आग जलने के बाद अपना सामान पैक कर रहे एक शख्स ने अमेरिकी मीडिया से कहा,'मैं बस यही प्रार्थना कर रहा हूं कि हमारा घर न जले.'

जलगांव ट्रेन हादसे में मरने वालों का आंकड़ा पहुंचा 13

जलगांव.

महाराष्ट्र के जलगांव में पुष्पक ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है. इसकी जानकारी जलगांव कलेक्टर आयुष प्रसाद ने दी है. जिलाधिकारी ने बताया है कि जलगांव में अफवाह की वजह से हुए हादसे में बुधवार तक 12 लोगों के जान जाने की सूचना थी.

गुरुवार को एक अन्य घायल व्यक्ति ने दम तोड़ दिया है. दरअसल, जलगांव में स्टेशन से आगे बढ़ते ही लखनऊ-मुंबई पुष्पक एक्सप्रेस ने ब्रेक लगाया तो पहियों से चिंगारी निकलने लगी.

संभवत: ब्रेक बाइंडिंग के कारण निकली इस चिंगारी को देख यात्रियों को आग लगने का शक हुआ. यह अफवाह इतनी तेज फैली कि ट्रेन में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और जान बचाने के लिए लोग ट्रेन की चेन खींच कर पटरियों पर कूदने लगे. जान बचाने के चक्कर में कूदे लोगों को यह नहीं पता था कि असल में वे मौत के मुंह में कूद रहे हैं. कुछ लोग ट्रेन की एक तरफ पुलिया की दीवार के पास कूदे और कुछ लोग दूसरी तरफ रेलवे ट्रैक पर उतरे.

शार्प टर्न होने के कारण उन्हें सामने से आने वाली ट्रेन का अंदाजा नहीं लगा. ऐसे में तेज रफ्तार में आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में कई यात्री आ गए. बताया जा रहा है कि हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 14 से 15 लोग घायल हैं. प्रत्यक्षदर्शियों ने भी बताया कि सब कुछ इतना तेज हुआ कि कुछ समझ ही नहीं आया. कुछ समझ पाते इससे पहले कर्नाटक एक्सप्रेस की नीचे कई लोग आ चुके थे.

हादसा इतना वीभत्स था कि किसी के पैर कटे तो किसी का सिर धड़ से अलग हो गया. इस हादसे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत अन्य नेताओं ने दुख जताया है और घायलों के साथ-साथ मृतकों के परिवार को भी मुआवजा देने का ऐलान किया गया है.

निवेश के लिए 16 लाख करोड़ का एमओयू किया साइन: सीएम फडणवीस

दावोस.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि उनके राज्य ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की वार्षिक बैठक के दौरान लगभग 16 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि ये एमओयू विभिन्न क्षेत्रों में किए गए हैं और इससे राज्य को अपनी जीडीपी को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी.

फडणवीस ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया कि भारत को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना होगा और हम इस लक्ष्य को साल 2030 तक प्राप्त कर लेंगे. उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में नीतियों की निरंतरता पर निवेशकों का विश्वास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनका भरोसा इस रिकॉर्ड स्तर के निवेश प्रतिबद्धताओं का कारण बना है.

राज्य सरकार इन एमओयू की निगरानी करेगी, ताकि वे वास्तविक निवेश में परिवर्तित हो सकें. देश की और अधिक वृद्धि के लिए सभी राज्यों का एक साथ बढ़ना महत्वपूर्ण है.

दावोस में मौजूद तेलंगाना के मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा कि उन्हें भी विश्वास है कि उनका राज्य 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के जीडीपी लक्ष्य को हासिल कर लेगा. इसी तरह, केरल के मंत्री पी राजीव ने कहा कि उनका राज्य पहली बार दावोस आया है और उसने अगले महीने होने वाले इन्वेस्ट केरल समिट के लिए वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित किया है.

उम्मीद है कि अगर हमारे राज्य में निवेश आया तो हम भी इस लक्ष्य को हासिल करने की तरफ बढ़ जाएंगे. तमिलनाडु के मंत्री टी आर बी राजा ने कहा कि भारत दुनिया का ज्ञान केंद्र है और अगर भारत एकजुट होकर सामने आता है तो वह पूरी दुनिया के लिए नीतियां बना सकता है और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे आयोजन किसी भी भारतीय शहर में हो सकते हैं. पहली बार सभी भारतीय नेता, जिनमें केंद्र और विभिन्न राज्यों के नेता शामिल हैं, एक साथ आए. उनके पवेलियन भी दो भारतीय पवेलियनों के भीतर स्थित थे. यह एकजुट भारत का संकेत है.

अगली बार एक ही पवेलियन होना चाहिए. केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा कि इस बार भारत से दावोस में अनुभव और युवा का घातक मिश्रण आया है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है. भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में यही मिश्रण सबसे ज्यादा काम आने वाला है. भारतीय युवाओं को कौशल सिखाकर तैयार किया जाए तो आने वाले समय में पूरी दुनिया में हमारी पहुंच होगी.

अन्य महत्वपूर्ण समझौतों में ये भी शामिल

डेटा केंद्रों में 71,795 करोड़ रुपये का निवेश करेगा अमेजन। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 3,05,000 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में वर्धन लिथियम के साथ 42,535 करोड़ रुपये का समझौता, जिससे 5,000 नौकरियां पैदा होंगी। ब्लैकस्टोन के साथ 43,000 करोड़ रुपये का समझौता, बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में करेगा निवेश। इंडोरामा के साथ 31,200 करोड़ रुपये का समझौता, कपड़ा क्षेत्र में निवेश से 4,000 नौकरियां पैदा होंगी। एलएंडटी डिफेंस के साथ 10,000 करोड़ रुपये का समझौता, तालेगांव में निवेश से 2,500 नौकरियां पैदा होंगी। रेनेसां सोलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैटेरियल्स के साथ 5000 करोड़ रुपये का समझौता, हरित ऊर्जा में निवेश से 1,300 नौकरियां पैदा होंगी। ग्रेटा एनर्जी के साथ समझौते से चंद्रपुर में 10,319 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 7,000 नौकरियां पैदा होंगी।

पूर्व विधायक सुभाष और पत्नी रीना को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली.

हरदोई पुलिस ने पूर्व विधायक और निषाद पार्टी के नेता सुभाष पासी को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी मिली है कि सुभाष पासी के साथ उनकी पत्नी रीना पासी की भी गिरफ्तारी हुई है. पासी पर आरोप है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नितिन अग्रवाल की बहन को फ्लैट देने के नाम पर 49 लाख रुपए की ठगी की थी.

बता दें कि सुभाष पासी ने 2022 का यूपी विधानसभा चुनाव गाजीपुर की सैदपुर सीट से सत्ताधारी भाजपा की टिकट पर लड़ा था. इससे पहले इसी सीट पर वह 2 बार सपा विधायक भी रहे थे. हरदोई के एसपी नीरज जादौन ने कहा, "माननीय कोर्ट ने सुभाष पासी और रीना पासी के खिलाफ एनबीडब्लू जारी किया था. 3-4 बार इनके खिलाफ एनबीडब्लू जारी किए गए थे. इस संबंध में हरदोई पुलिस की टीम मुंबई रवाना की गई थी. सुभाष पासी को अरेस्ट कर लोकल कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड के लिए पेश किया गया. इनकी पत्नी के खिलाफ एनबीडब्लू जारी हुआ था. यह 2023 का धोखाधड़ी का केस है."

पांच साल में महंगाई 21 फीसदी बढ़ गई

टैक्स भरने वालों को नहीं मिली कोई राहत

नई दिल्ली.

नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद से सरकार ने सालाना 15 लाख रुपये से कम कमाने वाले करदाताओं को टैक्स स्लैब के हिसाब से लिमिट बढ़ाकर राहत दी है, ताकि बढ़ती महंगाई के दौर में उनकी जेब पर कम असर पड़े। लेकिन, पिछले पांच साल से उन करदाताओं को लिमिट के मोर्चे पर कोई राहत नहीं मिली है, जो सबसे अधिक टैक्स भरते हैं। बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी का कहना है कि नई कर व्यवस्था की शुरुआत 2020 में हुई थी। तब से अब तक लागत महंगाई इंडेक्स (सीआईआई) करीब 21 फीसदी बढ़ गया है। महंगाई के इस असर को कम करने के लिए सरकार ने पांच साल में 15 लाख रुपये से कम आय वाले करदाताओं के लिए

लिमिट में न्यूनतम 20 फीसदी और अधिकतम 40 फीसदी की बढ़ोतरी की है। हालांकि, 15 लाख रुपये से अधिक कमाने वाले करदाताओं के लिए लिमिट में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उन्हें 30 फीसदी की अधिकतम दर से टैक्स भरना पड़ रहा है। देश के 57 फीसदी व्यक्तिगत करदाता चाहते हैं कि सरकार अगले वित्त वर्ष के बजट में करों में कटौती करे। 25 फीसदी ने अधिकतम टैक्स स्लैब में छूट की मांग की है। ग्रांट थॉर्नटन इंडिया की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, 72 फीसदी व्यक्तिगत करदाताओं के नई आयकर व्यवस्था चुनने के बावजूद 63 फीसदी पुरानी व्यवस्था के तहत मिलने वाले प्रोत्साहन में बढ़ोतरी के पक्ष में हैं। नई कर व्यवस्था की तरफ आकर्षण बढ़ाने के लिए करीब 46 फीसदी ने कर की दरें घटाने की वकालत की।

70 फीसदी की आय पांच लाख से कम

समायोजित कर सबसे अधिक टैक्स चुकाने वाले करदाताओं को राहत देने पर विचार करना चाहिए। इसके लिए 30 फीसदी के अधिकतम टैक्स स्लैब के तहत सालाना आय सीमा को कम-से-कम 20 फीसदी बढ़ाकर 18 लाख रुपये करना चाहिए। इससे अधिक ब्याज दर पर होम लोन की ईएमआई चुकाने, बच्चों की महंगी स्कूल फीस भरने और बेहतर लाइफस्टाइल के लिए अधिक जेब ढीली करने की चुनौती से जूझने वाले शहरी नौकरीपेशा को काफी राहत मिलेगी।

केयर हेल्थ इंश्योरेन्स ने लॉन्च किया 'अल्टीमेट केयर' हेल्थ इंश्योरेंस प्लान

मुंबई. भारत के अग्रणी स्वास्थ्यसेवा प्रदाताओं में से एक केयर हेल्थ इंश्योरेन्स ने 'अल्टीमेट केयर' हेल्थ इंश्योरेंस प्लान का लॉन्च किया है। यह नया हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट उपभोक्ताओं को आधुनिक फीचर्स और ढेरों लाभ प्रदान करते हुए स्वास्थ्य कवरेज में नए बेंचमार्क स्थापित करेगा। अल्टीमेट केयर पॉलिसीहोल्डर्स को न केवल अचानक आने वाली मेडिकल इमरजेंसी से सुरक्षा देता है, बल्कि स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहन और रिवाड्र्स भी प्रदान करता है। इस प्लान में मनीबैक फीचर है, जहां पॉलिसीहोल्डर को 5 साल तक क्लेम न लेने के बाद पहले साल का बेस प्रीमियम रीफंड किया जाता है। यह फीचर अतिरिक्त सम इंश्योर्ड प्रदान करता है, जो 7 साल तक क्लेम न लेने के बाद पॉलिसी के पहले वर्ष के बराबर होता है। यह बोनस योजना, बोनस की कोई सीमा नहीं रखता और प्रत्येक वर्ष सम इंश्योर्ड का 100 प्रतिशत बोनस देता है, भले ही पॉलिसीहोल्डर ने कितनी बार भी क्लेम किया हो।

कैबिनेट ने कच्चे जूट का एमएसपी छह परसेंट बढ़ाया

नई दिल्ली.

केंद्रीय कैबिनेट ने मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाकर 5650 रुपये प्रति क्विंटल करने की बुधवार को मंजूरी दे दी. यह कच्चे जूट के पिछले एमएसपी से 315 रुपये प्रति क्विंटल यानी छह परसेंट अधिक है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया. बैठक के बाद वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी है.

पीयूष गोयल ने कहा कि नया एमएसपी अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 66.8 परसेंट रिटर्न को सुनिश्चित करता है जिससे जूट उत्पादकों को लाभ होगा. सरकार ने कच्चे जूट पर एमएसपी को 2014-15 के 2400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2025-26

विपणन सत्र के लिए 5650 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जो 2.35 गुना बढ़ोतरी है. पीयूष गोयल के मुताबिक जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में इतनी वृद्धि किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आजीविका को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी. यह निर्णय न केवल जूट उत्पादन को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर एक बड़ा कदम साबित होगा और केंद्र की मोदी सरकार के विकसित भारत के विजन को भी पूरा करने में मददगार होगा. इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अगले पांच साल तक जारी रखने पर भी मंजूरी दे दी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इन फैसलों पर मुहर लगाई गई है. जनवरी महीने में दो कैबिनेट बैठकों में केंद्र सरकार ने बड़े-बड़े फैसलों पर मुहर लगाई है. पिछले हफ्ते हुई केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी गई थी. इस फैसले से देश के 50 लाख के करीब सैलरीड कर्मचारियों और 68 लाख के करीब पेंशनर्स को बड़ा फायदा मिलने वाला है.

सैमसंग ने बीस्पोक एआई लॉन्ड्री पोर्टफोलियो का विस्तार किया

नागपुर.

भारत के सबसे बड़े कंज्यूनमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपनी नई 9केजी फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन लॉन्च करके अपनी बीस्पोक एआई लॉन्ड्री सीरीज का विस्तार किया है। इंटेलिजेंट और एफिशिएंट लॉन्ड्री सॉल्यूशंस के क्षेत्र में नया मानक स्थापित करने वाले 12केजी मॉडल की जबरदस्त सफलता के बाद नई 9केजी वॉशिंग मशीन रेंज अधिक कॉम्पैक्ट आकार में समान पावरफुल परफॉर्मेंस और एडवांस्ड फीचर्स सुविधाएं प्रदान करती है। आधुनिक भारतीय घरों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई ये मशीनें इनोवेशन के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो प्रीमियम टेक्नोमलॉजी और बेहतर डिजाइन के साथ आज के उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करती हैं।

नई 9केजी फ्रंट लोड वाशिंग मशीनें बड़े भार को संभालने के

लिहाज से उपयुक्त है, जो कपड़े, चादरें और तौलिए जैसी रोजाना की धुलाई के लिए कुशल समाधान मुहैया कराती हैं। एडवांस्ड फीचर्स से लैस इन मशीनों में तेज साइकिल के लिए सुपर स्पीड, 70 फीसदी तक ऊर्जा बचत के लिए एआई एनर्जी मोड जैसी एआई विशेषताएं, बेहतर कपड़े की देखभाल के लिए एआई इको बबल और गहरी और स्वच्छ सफाई के लिए हाइजीन स्टीम शामिल हैं। यह रेंज अत्याधुनिक टेक्नोलिॉजी और दमदार परफॉर्मेंस देती है, जिससे हर दिन कपड़ों की धुलाई करना बेहद आसान हो जाता है।

'एक्सिस निफ्टी 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड' लॉन्च

मुंबई.

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते फंड हाउसों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने अपने नवीनतम उत्पाद 'एक्सिस निफ्टी 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड' को पेश किया है। यह ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड निफ्टी 500 मोमेंटम 50 टीआरआई को ट्रैक करेगा। इस न्यू फंड ऑफर की अवधि 24 जनवरी से 7 फरवरी 2025 तक खुली रहेगी और यह फंड निफ्टी 500 मोमेंटम 50 टीआरआई को बेंचमार्क के तौर पर लिया जाएगा।

यह फंड भारत के निवेश परिदृश्य में निष्क्रिय रणनीतियों के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। निवेशक सरल और लागत-प्रभावी समाधान के माध्यम से गतिशील शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। एक्सिस निफ्टी 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड का उद्देश्य ट्रैकिंग त्रुटियों के तहत निफ्टी 500 मोमेंटम 50 टीआरआई के अनुरूप रिटर्न प्रदान करना है, हालांकि इसमें

कोई गारंटी नहीं है कि यह उद्देश्य हर बार हासिल होगा।

यह फंड मोमेंटम निवेश की रणनीति पर आधारित है, जो बड़े, मध्यम और छोटे कैप स्टॉक्स का चयन करता है। यह निवेशक को हाल के अच्छे प्रदर्शन वाले शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे संभावित रूप से भविष्य में बेहतर रिटर्न मिल सकता है। पिछले 6 से 12 महीनों के रिटर्न के आधार पर मोमेंटम को समायोजित किया जाता है, जिससे उच्च प्रदर्शन करने वाले शेयरों पर फोकस किया जाता है। मोमेंटम निवेश शेयरों को पहचानता है जिन्होंने ऊपर की ओर मूल्य रुझान दिखाए हैं।

हाल के स्टॉक प्रदर्शन के आधार पर चयन: यह फंड हाल के इतिहास में अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्टॉक्स को शामिल करता है। निष्क्रिय रूप से प्रबंधित इंडेक्स फंड होने के कारण यह कम खर्चीला होता है, जो निवेशकों के लिए एक लागत-प्रभावी विकल्प प्रदान करता है। अन्य रणनीतियों का पूरक: यह फंड अन्य निवेश रणनीतियों के साथ मिलकर पोर्टफोलियो प्रदर्शन को बढ़ाता है।

फंड की न्यूनतम आवेदन राशि ₹00 और इसके बाद ₹ के गुणकों में है। इसे एक्सिस म्यूचुअल फंड के इक्विटी फंड मैनेजर श्री कार्तिक कुमार और वरिष्ठ इक्विटी फंड मैनेजर सचिन रेलेकर द्वारा प्रबंधित किया जाएगा। एक्सिस म्यूचुअल फंड के एमडी और सीईओ बी गोपकुमार ने कहा, "हम निवेशकों को अभिनव निवेश समाधान प्रदान करने के हमारे निरंतर प्रयासों के तहत यह नया फंड लॉन्च कर रहे हैं। निष्क्रिय निवेश रणनीतियों की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, हम मानते हैं कि यह फंड भारत के सबसे आकर्षक मोमेंटम-संचालित स्टॉक्स में निवेश का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करेगा। कुल मिलाकर, एक्सिस निफ्टी 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड भारत के गतिशील बाजार में निवेशकों को उच्च गति वाले शेयरों में निवेश करने का एक आसान और प्रभावी तरीका प्रदान करता है, जो संभावित रूप से लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न जनरेट कर सकता है।

बढ़ रहा शेयर बाजार से कमाई का चस्का

नई दिल्ली.

शेयर बाजार से कमाई का चस्का बढ़ता जा रहा है. ये बात हम नहीं बल्कि आंकड़े कह रहे हैं. आंकड़ों के मुताबिक अब 11 करोड़ लोग शेयर बाजार से कमाई कर रहे हैं. शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने कहा कि उसके पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ को पार हो गई है. इसमें अंतिम एक करोड़ पंजीकरण सिर्फ पांच महीनों में हुए हैं. यह निवेशकों की प्रत्यक्ष माध्यमों से शेयर बाजार में बढ़ती भागीदारी को बताता है.एनएसई में निवेशक पंजीकरण में हाल के दिनों में तेजी देखी गई है और पिछले पांच वर्षों में इसमें 3.6 गुना उछाल आया है. साल 1994 में एनएसई के परिचालन की शुरुआत के बाद से एक करोड़ निवेशकों तक पहुंचने में 14 साल लग गए. इसके बाद यह गति तेज हुई. अगले एक करोड़ पंजीकरण में लगभग सात साल लगे, उसके बाद अगले एक करोड़ के लिए 3.5 साल और फिर चौथे

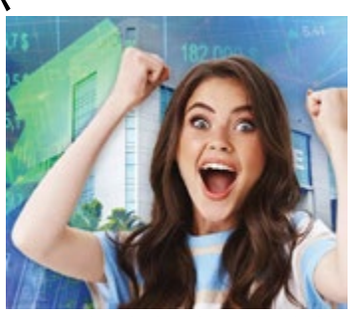

करोड़ को जोड़ने में एक साल से थोड़ा ज्यादा समय लगा.

एनएसई ने बयान में कहा, उसके बाद से वृद्धि दर उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है. प्रत्येक अतिरिक्त एक करोड़ निवेशक लगभग छह-सात महीनों में जुड़ रहे हैं, जबकि अंतिम एक करोड़ निवेशक केवल पांच महीनों में जुड़े हैं. यह शेयर बाजार में निवेशकों के प्रत्यक्ष रूप से निवेश को उत्साह और भागीदारी में बदलाव को बताता है. पिछले साल मानक सूचकांक निफ्टी50 ने 8.8 प्रतिशत का रिटर्न दिया जबकि निफ्टी 500 सूचकांक में 15.2 प्रतिशत की शानदार बढ़त देखने को मिली. पिछले नौ साल से भारतीय बाजारों में सकारात्मक रिटर्न देखने को मिल रहा है.

भारतीय विद्यार्थी परिषद के राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरित

नागपुर.

भारतीय विद्यार्थी परिषद और महाराष्ट्र पुरातत्व निदेशालय, पुणे द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'समता भूमि' महात्मा फुले वाड़ा में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को सावित्री लेकी/सम्मान/राजर्षि शाहू महाराज पुरस्कार के साथ-साथ साने गुरुजी के बच्चे पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी डॉ. बाबा अढाव ने की,मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी मेधा पाटकर,पूर्व मंत्री उल्हास पवार अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

एक्टर मकरंद अनसपुरे को राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज पुरस्कार और पूर्व विधायक यशोमति ठाकुर को सावित्री की लड़की पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

इसी प्रकार विशेष सम्मान पाने वाली सावित्री की पुत्रियों में

के.एच.एफ. कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, हरदोली, जिला भंडारा की प्रो. सोनाली लांजेवार,ने साने गुरुजी के मेहनती बच्चों को भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसमें डॉ. बी.आर.ए. ला कॉलेज, नागपुर के भूषण वानखेड़े, इंदुताई मेमोरियल हाई स्कूल, वायगांव तहसील मौदा) की श्लोक कोमल सिंह बेतकुरिया,. निकिता पुडके (इंदुताई मेमोरियल बी.एड. कॉलेज, हरदोली, जिला भंडारा) आदि को सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. सीमा घोलप (मुंबई) और भारतीय विद्यार्थी परिषद के साथियों ने भाग लिया, जबकि भारतीय विद्यार्थी परिषद की भूमिका डॉ. ज्ञानोबा कदम (अध्यक्ष) ने इसे उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये.

उन्होंने लोकतंत्र, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, विज्ञानोन्मुखता और राष्ट्रवाद को पांच सूत्रीय आदर्श मानते हुए विद्यार्थियों को उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं.

डायबिटिक क्लिनिक का उद्घाटन हुआ

नागपुर.

शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (एसएमएचआरसी), वानडोंगरी, हिंगना रोड, नागपुर में स्थित, दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज से संबद्ध एक प्रमुख 1,020-बेड वाला मल्टी-सुपर-स्पेशलिटी शिक्षण हॉस्पिटल है। विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध, शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एक रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाता है जो सबसे किफायती लागत पर उच्चतम गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करने पर केंद्रित है। हॉस्पिटल की व्यापक सेवाओं में विभिन्न सुपर-स्पेशलिटी क्लीनिकों के माध्यम से विस्तृत आउट पेशेंट (ओपीडी) सेवाएं शामिल हैं, साथ ही उन्नत डायग्नोस्टिक क्षमताएं जैसे कि सीटी स्कैन, एमआरआई, ईसीजी, ईईजी, ईएमजी, बीईआरए और रक्त जांच की पूरी श्रृंखला उपलब्ध हैं।

हाल ही में, हॉस्पिटल ने अपने विशेष सुपरस्पेशलिटी विंग डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सुपरस्पेशलिटी इंस्टीट्यूट में एक समर्पित डायबिटिक क्लिनिक का उद्घाटन किया। इस क्लिनिक का औपचारिक उद्घाटन डॉ. अनुप मरार, डायरेक्टर, डीएमआईएचईआर (डीयू) ऑफ कैंपस द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. मिलिंद भुरशुंडी, मेडिसिन विभाग के प्रमुख; डॉ. राजेश गोसावी, डीएमएमसी के पोस्टग्रेजुएट डिवीजन के डायरेक्टर; डॉ. वसंत गावंडे, चिकित्सा अधीक्षक; डॉ. डी. कटियारमल; डॉ. वाई. बालसुब्रमण्यम; डॉ. एम. टिकास; डॉ.

नरेश गिल; डॉ. आर. सोनारकर; डॉ. वी. बारस्कर; डॉ. खालिद खान; डॉ. हेमंत जुनेजा, डॉ. चेतन सावजी, डॉ. सुचित बरापात्रे, डॉ. कमरान शेख और कई अन्य लोग उपस्थित थे।

डायबिटिक क्लिनिक के अलावा, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सुपरस्पेशलिटी इंस्टीट्यूट में प्रतिदिन सुपरस्पेशलिटी क्लीनिक भी चलते हैं, जो चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में समग्र देखभाल सुनिश्चित करते हैं। इनमें कार्डियोलॉजी, कार्डियक सर्जरी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी, एंडोक्राइनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, यूरोलॉजी, रूमेटोलॉजी, पेन मैनेजमेंट और ऑन्कोलॉजी शामिल हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण मरीजों को एक छत के नीचे विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए विशेषज्ञ चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

डॉ. अभय तिडके, सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजी ओपीडी में उपलब्ध हैं, और डॉ. सुम्बुल सिद्दीकी, कार्डियक सर्जन, सीवीटीएस ओपीडी में सेवाएं देते हैं। नेफ्रोलॉजी क्लिनिक की देखरेख डॉ. वंदना बारस्कर और डॉ. प्रसाद गुर्जर द्वारा की जाती है, जबकि न्यूरोलॉजी सेवाएं डॉ. जीवन किंकर और डॉ. मंदार वाघ्रलकर द्वारा प्रदान की जाती हैं। न्यूरोसर्जरी ओपीडी में डॉ. परेश कोरडे द्वारा सेवाएं दी जाती हैं और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी क्लिनिक डॉ. निकुंज चौधरी द्वारा संचालित होता है। यूरोलॉजी क्लिनिक में डॉ. अक्षय कृपलानी और डॉ. प्रज्वल महात्मे द्वारा सेवाएं दी जाती हैं, और पेन क्लिनिक में डॉ. किरण व्यवाहरे एक पेन स्पेशलिस्ट के रूप में उपलब्ध हैं। ये सुपरस्पेशलिटी क्लीनिक प्रतिदिन डॉ. बाबासाहब अंबेडकर सुपरस्पेशलिटी इंस्टीट्यूट में सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक चलते हैं।

अपने अत्याधुनिक सुपर-स्पेशलिटी सेवाओं और डायग्नोस्टिक टूल के साथ, शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर सुनिश्चित करता है कि मरीजों को उनकी ज़रूरतों के अनुसार सटीक निदान और प्रभावी उपचार योजना मिले। हॉस्पिटल की विशेषज्ञों की समर्पित टीम, इसके उन्नत बुनियादी ढांचे और तकनीक के साथ मिलकर इसे गुणवत्ता स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक विश्वसनीय केंद्र बनाती है। उत्कृष्टता और समग्र देखभाल के प्रति शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की अटूट प्रतिबद्धता, मध्य भारत के लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करती है, जो सुलभ और किफायती हैं।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 16736 करोड़ हुआ

नई दिल्ली.

निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को बताया कि दिसंबर 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ मामूली दो प्रतिशत बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बैंक ने 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।एचडीएफसी बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में स्टैंडअलोन आधार पर कुल आय बढ़कर 87,460 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 81,720 करोड़ रुपये थी।

समेकित आधार पर बैंक का लाभ भी मामूली सुधार के साथ 17,258 करोड़ रुपये से बढ़कर 17,657 करोड़ रुपये हो गया। समेकित कुल आय पिछले वर्ष की अक्टूबर-नवंबर तिमाही के अंत में 1,15,016 करोड़ रुपये से घटकर 1,12,194 करोड़ रुपये रह गई।

2024 के अंत तक सकल

ऋण 1.42 प्रतिशत हुआ

परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) दिसंबर 2024 के अंत तक सकल ऋण का 1.42 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 1.26 प्रतिशत थी। शुद्ध एनपीए या खराब ऋण 2023 में 0.31 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 0.46 प्रतिशत हो गया।

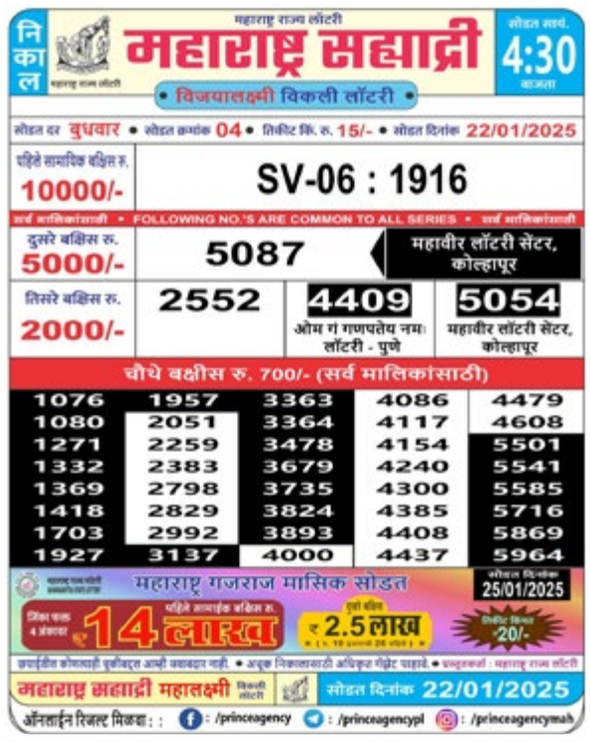

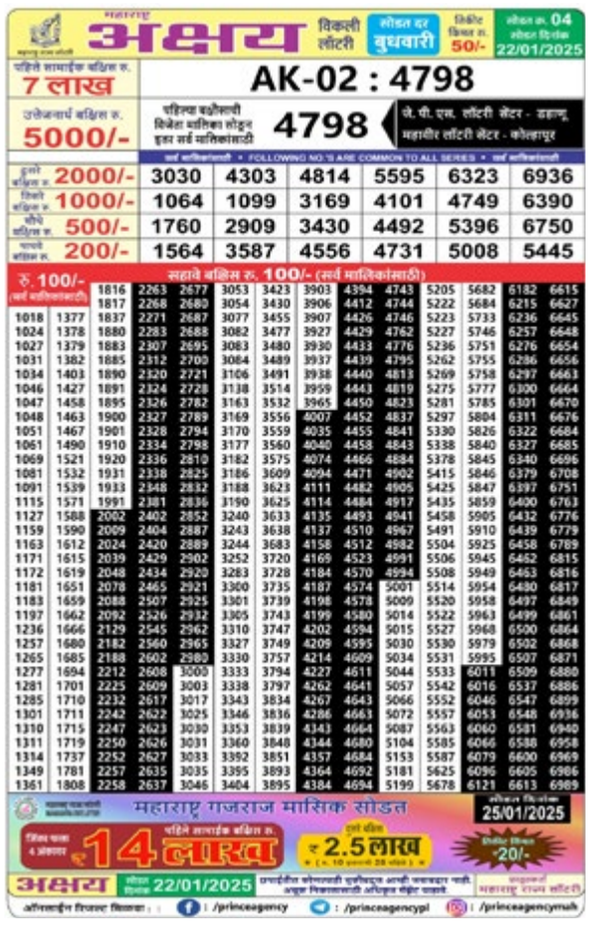

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

सुविचार

गंभीरता का गुण धारण कर लो तो
व्यर्थ टकराव से बच जाएंगे।

तितली पर कविता

तितली रंगबिरंगी है मेरी साथी संगी है,
पंख फैलाकर वो लहराये
सारी बगीया खिल-खिल जाये
फूल पे भंवरे राग सुनायें
तितलीयाँ जब पंख लहराये
मेरी तितली प्यारी तितली
तितली रंगबिरंगी है मेरी साथी संगी है।

सुमय्या परवीन अंसारी, कक्षा 7 (ब), अंजुमन हाईस्कूल एंड जूनियर कालेज, सदर, नागपूर.

संपादकीय

नए नियम से निर्वाचित सरकारों की भूमिका हो जाएगी सीमित

❍ कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर कई राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच पहले से तनातनी रही है। अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए मसविदे पर विवाद शुरू हो गया है। केंद्रीय शिक्षामंत्री ने नए नियमों का बचाव करते हुए कहा कि यह नियुक्ति की पिछली सभी प्रक्रियाओं का पालन करता है। मगर हैरत की बात है कि कुलपतियों के चयन और उनकी नियुक्ति पर बन रहे नए मसविदे को तैयार करने से पहले राज्यों को भरोसे में नहीं लिया गया। नतीजा यह हुआ कि न केवल गैर-भाजपा शासित राज्यों ने आपत्ति जताई, बल्कि राजग के भीतर भी सवाल उठ गए हैं। प्रमुख घटक दलों ने कहा है कि इससे राज्य सरकारें हतोत्साहित होंगी। इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। दरअसल, राज्यों की आपत्ति है कि नए मसविदे से संविधान में निहित संघीय सिद्धांतों का उल्लंघन होगा। तमिलनाडु ने तो इसे तुरंत वापस लेने का आग्रह किया है। जबकि राजग के भीतर सवाल उठा है कि इन नियुक्तियों में निर्वाचित सरकारों की भूमिका सीमित हो जाएगी। यही वजह है कि कुछ राज्य कुलाधिपति पद से राज्यपालों को दूर रखने के विधेयक पारित कर चुके हैं। यह बात और है कि राज्यपालों ने उन्हें मंजूरी नहीं दी। सर्वविदित है कि कुलाधिपति यानी राज्यपाल ही राज्य सरकार की सलाह से अंतिम चयन करते आए हैं।

मगर अब वे अपनी पसंद की नियुक्ति करते दिखते हैं। इसी को लेकर प्राय: विवाद होते हैं। कहा जा रहा है कि नए नियमों के मुताबिक विश्वविद्यालयों को दूरदर्शी और नेतृत्व क्षमता वाले कुलपति मिलेंगे, लेकिन दूसरी ओर दस साल के शिक्षण की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। यानी गैर-शैक्षिक क्षेत्रों के लोग कुलपति बनेंगे। जाहिर है, इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। चयन में आयोग के प्रतिनिधि की भी भूमिका रहेगी। ऐसे में राज्य सरकार की सलाह और उनकी ओर से भेजे गए नामों का क्या महत्त्व रह जाएगा। फिलहाल, विमर्श के बाद सभी सुझावों पर केंद्र को विचार करना होगा। केरल ने जिस तरह विरोध में प्रस्ताव पारित किया है, उससे टकराव बढ़ने का अंदेशा है। इसमें संबंधित पक्षों की चिंता दूर करने की जरूरत है।

डॉ. एम.ए.रशीद, नागपूर

शुक्रवार स्पेशल

भाग (72)

दहेज ने ज़िंदगी की बुनियाद हिलाकर रख दी है

मुस्लिम समुदाय को दहेज जैसे ग़ैरइस्लामी रीत के विरुद्ध आवाज़ें उठानी चाहिए

❍ मुस्लिम समुदाय में निकाह के समय दिए जाने वाले दहेज ने ज़िंदगी की बुनियाद हिलाकर रख दी है। इस से सैकड़ों-हजारों घर नष्ट हो गए हैं और बहुत सारी भावनाओं को दबा दिया गया है। यह वह बीमारी है जिसे हम दहेज के रूप में याद करते हैं। विशेष कर हमारे समाज में आज दहेज एक ऐसा अभिशाप बन गया है जो एक ओर परमाणु हथियारों से भी ज़्यादा ख़तरनाक और घातक साबित हो रहा है तो दूसरी ओर वह हमारे समुदाय में कैंसर की तरह फैल चुका है। चिंता की बात यह है कि जब समाज में बेटियां जन्म लेती हैं तभी से उनके भविष्य के बारे में सोचा जाने लगता है, उसकी शिक्षा और फिर दहेज की ज़िम्मेदारी। इस्लाम ने बेटियां को बोझ नहीं बनाया बल्कि उन्हें इज़्ज़त से नवाज़ा है लेकिन समाज ने दहेज का नाम देकर उन्हें बोझ बना दिया! देखा जाए तो आज मानव जीवन के बहुत से महत्वपूर्ण क्षेत्र निराधार रीति-रिवाजों और परंपराओं की गहरी चपेट में आ गए हैं, जिनसे उनके नुकसान और दुष्परिणाम तो अपनी जगह हैं हीं लेकिन उनसे बड़ा नुकसान यह है कि मानव जीवन विभिन्न कठिनाइयों और समस्याओं का शिकार होता जा रहा है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण हैं "निकाह, विवाह" के रीति-रिवाज और परंपराएं। इस निकाह - विवाह से संबंधित महत्वपूर्ण रीति-रिवाजों में से एक है "दहेज जहेज़"। यह लड़की के परिवार द्वारा प्रदान किया जाता है, चाहे वह नक़्दी, सोने चांदी के आभूषण के रूप में हो या फ़र्नीचर, बर्तन आदि दैनिक उपयोगी वस्तुओं के रूप में। शरियात और न्यायशास्त्र के परिदृश्य में नज़र डालें तो "दहेज" की स्थिति हिबा और दान की है जो माता-पिता, भाईयों आदि द्वारा लड़की को बिना किसी मुआवज़े के प्रदान किया जाता है। वह अपने आप में उचित रहने की हैसियत तब रखता है जब उसमें सच्चा इरादा, और नियत में ख़ुलूस होने की भी शर्त हो। फिर उसमें एहसान, दयालुता, अच्छे कर्म यानी कारेख़ैर होने में कोई शक पैदा नहीं होता। खासकर बेटी या बहन को कुछ देना नेकी और अच्छाई की बात तो हो सकती है, लेकिन धार्मिक और धार्मिक ज्ञान से संबंधित लोगों के लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बहुत सी चीज़ें स्वयं जाइज़ (अनुमेय) होते हुए भी कुछ कारणों से ममनूअ् यानी कि वर्जित हो जाती हैं। उनके बारे में कहा जा सकता है कि दहेज की प्रचलित प्रथा की वर्तमान स्थिति ने वैसी ही स्थिति धारण कर ली है और उसमें इतनी भ्रष्ट और नकारात्मकता चीज़ें जुड़ गई है कि उसे दान, एहसान की श्रेणी में रखना उचित नहीं है। इस बात में कोई दोमत नहीं कि शरीयत में दहेज एक ग़ैर ज़रूरी चीज़ है, शरीयत ने इसे कहीं भी आवश्यक या ज़रूरी नहीं कहा है और अगर यह मान भी लिया जाए कि पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू ने अपनी पवित्र चेहती बेटियों की रुख़्सती के अवसर पर जो कुछ दिया था उसका दर्जा जहेज़- दहेज का था और उसको दहेज के लिए आधार मान लिया जाए तो इसकी प्रकृति अधिक से अधिक एक प्रत्यायोजित कार्य की होगी। उसको अनिवार्य, वाजिब या उसे सुन्नत का दर्जा दिया जाना भी उचित नहीं। अब ऐसी अनावश्यक बात पर कायम रहना और हर हाल में उसकी व्यवस्था करना शरीयत में किसी भी तरह से वांछनीय नहीं है। यह बात ज़रूर कड़वी सच्चाई के तहत कही जा सकती है कि समाज में बेटियों को दिया जाने वाला दहेज, हदिया, तौहफ़ा या उपहार के रूप में नहीं होता, बल्कि वह प्रसिद्धि और प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। यही कारण है कि उसका बहुत ज़्यादा प्रदर्शन किया जाता है। इसलिए हमें दहेज जैसे अत्याचार और ग़ैर इस्लामी रीत के ख़िलाफ़ आवाज़ उठानी चाहिए और बेटियों के हक के लिए लड़ना चाहिए।

दहेज की इस रूढ़िवादिता को हमेशा के लिए दफ़न करना मुस्लिम समुदाय का फ़र्ज़ बनना चाहिए। दहेज के नाम पर कब तक बेटियां बिकती रहेंगी और कब तक वे ज़िल्लत, अपमान सहती रहेंगी! इसलिए इस दहेज की आग को बढ़ाने की बजाय उसे बुझाना चाहिए ताकि जो बेटियां अपने घरों में दहेज के बोझ तले दबी हुई हैं उनकी किस्मत खुल जाए। यह भी याद रखने योग्य बात है कि दहेज एक गैर-धार्मिक अनुष्ठान है। जो हमारे देश में मुस्लिम समुदाय की रगों में समाया हुआ है। इस्लाम का इस से कोई लेना-देना नहीं है। इस प्रथा को खत्म करने के लिए ज़रूरी है कि दिल से यह लालच निकाला जाए और बेटी को दहेज नहीं बल्कि विरासत में हिस्सा दिया जाना चाहिए। ऐसा करके ही हम समाज से दहेज के अभिशाप को खत्म किया जा सकता हैं और फिर हमारे समाज से यह अभिशाप मिट सकता है।

आस्था

मौनी अमावस्या के दिन सूर्यदेव को दें अर्घ्य

❐ मौनी अमावस्या हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है जो माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है. इस दिन लोग मौन व्रत रखते हैं और पितरों का तर्पण करते हैं. इस दिन मौन व्रत रखने से मन को शांति मिलती है और पितरों का तर्पण करके उन्हें शांति प्रदान की जाती है. यह दिन ध्यान और योग के लिए भी बहुत शुभ माना जाता है. मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ से लोगों को मोक्ष की प्राप्ति होती है.पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या की तिथि 28 की शाम को 7 बजकर 35 मिनट पर शुरू होगी. वही अगले दिन 29 की सुबह 6 बजकर 5 मिनट पर समाप्त होगी. ऐसे में मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी. इस दिन व्रत भी रखा जाएगा. इस दिन महाकुंभ में दूसरा अमृत स्नान भी किया जाएगा.

सूर्योदय के समय सूर्य देव को अर्घ्य देना सबसे शुभ माना जाता है. यदि आप सूर्योदय से पहले उठकर अर्घ्य दे सकते हैं तो यह और भी अच्छा है. सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें. एक साफ स्थान पर बैठकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठ जाएं. एक तांबे के लोटे में जल भरें. जल में कुछ कुमकुम, चंदन और फूल डालें. सूर्य देव को अर्घ्य देते समय "ॐ सूर्याय नमः" मंत्र का जाप करें. दोनों हाथों से तांबे का लोटा पकड़कर सूर्य देव को जल अर्पित करें.

अर्घ्य देने के बाद सूर्य देव को प्रणाम करें. सूर्य देव को अर्घ्य देने से शरीर स्वस्थ रहता है और रोगों से मुक्ति दिलाता है. आंखों की रोशनी बढ़ती है और मन शांत रहता है. सूर्य देव को अर्घ्य देते समय ध्यान रखें कि आपका मुंह पूर्व दिशा की ओर हो. अर्घ्य देते समय मन में कोई भी नकारात्मक भावना नहीं होनी चाहिए. सूर्य ग्रहण के समय सूर्य देव को अर्घ्य नहीं देना चाहिए. आप सूर्य देव को रोली, चंदन, अक्षत, फूल आदि भी चढ़ा सकते हैं. सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद आप सूर्य नमस्कार भी कर सकते हैं. मौनी अमावस्या के दिन सूर्य देव को अर्घ्य देना एक पवित्र कार्य है. यह न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है बल्कि आपके आध्यात्मिक विकास के लिए भी बहुत फायदेमंद है. सूर्य देव को अर्घ्य देने से जीवन में आने वाली परेशानियां खत्म होती हैं और सुख-समृद्धि बनी रहती है. इसके अलावा हर कार्य में सफलता मिलती है और अधूरे कार्य पूरे होने लगते हैं.

व्यंग्य

वीरेन्द्र सरल

तुम चंदन हम पानी

❍ वैश्विक महामारी के गम्भीर संकट से गुजर रहे आले देश की सरकार ने अपेक्षाकृत कम संकट का सामना कर रहे निराले देश की सरकार से मदद मांगी। आले देश की सरकार ने लिखा कि हमने सुना है कि आपके यहाँ धार्मिक कर्मकांडों और टोटकों से महामारी नियंत्रण की बड़ी प्राचीन और कारगार पद्धति प्रचलित है। हमारे देश में मृत्यु का आंकड़ा आपके देश के फर्जी समाचारों की तरह बढ़ता जा रहा है। हमारा धैर्य आपके यहाँ की सहिष्णुता की तरह कम हो रही है। हमारी चिंता आपके देश की गरीबी, भुखमरी की तरह बढ़ रही है। हमारे उपलब्ध संशाधन आपके यहाँ के रोजगार की तरह कम होते जा रहें है। हमारी नींद अभी वैसे ही उड़ी हुई है जैसे चुनाव के समय आप लोगों की नींद कुर्सी हथियाने के लिए उड़ी होती है। तो मित्र इस संकट के समय में आपसे मदद की दरकार है, बांकी समय दुनिया के चौधरी बनकर सबको आंख दिखाने के लिए तो हम सदैव उतारू ही रहते हैं। आले देश के इस पत्र को पढ़कर निराले देश की सरकार

मदद देने को तैयार हो गई। घरेलू उपयोग के लिए पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश के साथ ही अपने सम्बंधित विभाग और उनके अधिकारियों को प्राचीन पद्धति के अलग अलग रंग के धार्मिक रैपरों में लिपटे धार्मिक दवाइयों एवम उसके निर्माता और उसके होलसेल सेलर के साथ ही फुटकर विक्रेताओं को इकट्ठा कर उनका बंडल बनाने का आदेश दिया।

मगर जैसे ही इन प्राचीन और धार्मिक दवाइयों को यह पता चला कि इन्हें आले देश भेजने की तैयारी की जा रही है, वैसे ही वे डर के मारे थर थर कांपने लगे और मेढकों की तरह उछल उछल कर बंडल से कूद कर भागने लगे। बंडल बनाने वालों ने इन दवाइयों के निर्माताओं से सहायता मांगने की सोची पर वे पहले ही गधे के सींग की तरह गायब हो चुके थे। इनके थोक और चिल्हर विक्रेता भी जानकारी मिलते ही भूमिगत हो गए थे और अपनी खैर मना रहे थे। पर बकरी की अम्मा कब तक खैर मनाएगी। निराले देश की सरकार इस समय बड़ी सख्त थी। इन धार्मिक दवाइयों को पकड़ने के आदेश के कारण सब पकड़े गए। कुछ निर्माता और सेलर भी पकड़े गए।

अधिकारियों के निर्देश पर मजदूरों द्वारा बंडल बनाने का काम शुरू हुआ। यूं तो ये धार्मिक दवाइयां अलग अलग कम्पनियों की थी पर सब मेड फार स्वार्थ सिद्धि ही थी। कुछ निर्माता बंडल बनने से पहले अपनी कम्पनी में बनी टेढ़ी मेढ़ी दवाइयों को खींच कर सीधा कर रहे थे। एक अधिकारी ने उनसे पूछा, ये आप क्या कर रहें हैं?जवाब मिला, हम देख रहे हैं कि निराले देश की तरह हम आले देश मे भी इनसे अपना उल्लू सीधा कर सकते हैं या नहीं? अधिकारी ने कहा, अरे उल्लू के पट्ठे ये उल्लू नहीं बल्कि धार्मिक दवाइयां है, समझे?

हां मगर हमारी कम्पनी की उत्पाद तो हमारे लिए उल्लू ही है ना।अधिकारी ने कहा, बकवास बंद करो और चुपचाप इस कार्टून में घुसो। हमें बंडल बनाना है। निर्माता एक बार हाथ जोड़कर आसमान की ओर देखा , उसके चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थी। वह सुबकते हुए कार्टून में घुस गया। अधिकारीगण भारी मशक्कत के बाद इन धार्मिक दवाइयों को उनके निर्माता के साथ बंडल बनाने में सफल हुए। फिर पसीना पोंछते हुए उन बंडलों को विशेष विमान अपने निर्धारित समय में यह विशेष विमान आले देश की धरती पर लैंड कर चुका था। आले देश की सुरक्षा एजेंसियां और वहां के मेडिकल एक्सपर्ट वहां पहले ही तैनात थे। विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में पहले उन बंडलों की जांच पड़ताल होनी थी। ज्यों ही विमान से पहला बंडल उतारा गया त्यों ही उतारने वाले मजदूरों के बीच न जाने किस बात पर हाथा पाई शुरू हो गई, दोनों एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए। दोनों एक दूसरे को जाति धर्म की भद्दी भद्दी गालियां देने लगे। चारो तरफ अफरा तफरी मच गई।

डॉ.प्रितम भि. गेडाम

विशेष अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

निजी हो या सरकारी शिक्षा संस्थान

शिक्षा का गुणवत्ता स्तर हो एक समान

मनुष्य के जीवन की आधारशिला उसकी शिक्षा होती है, आज के आधुनिक युग में हम सभी शिक्षा का मोल बखूबी समझते हैं। दुनिया में किसी भी क्षेत्र का सर्वोच्च स्थान हम शिक्षा की योग्यता के आधार पर हासिल कर सकते हैं। साक्षरता और उच्च शिक्षा में लगातार वृद्धि के साथ, दुनिया भर में शिक्षा प्रणाली नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। देश में भी नई शिक्षा प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए नित नए उपक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

तकनीकी ज्ञान, कौशल, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम दिन ब दिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के सुदृढ़ता का बखान तो कर रहे हैं, फिर भी भारत देश से विदेश पढ़ने जानेवाले विद्यार्थियों की संख्या हर साल बढ़ती ही जा रही है। 2024 में लगभग 13, 35,878 भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे, 2023 में 13,18,955 छात्र थे, जबकि 2022 में 9,07,404 छात्र थे। जबकि इस तुलना में हमारे देश में विदेश से आने वाले छात्रों की संख्या बेहद कम है, जो ज्यादातर छात्र विशेषकर नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और अन्य देशों से भारत आते है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2021-22 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर के 170 देशों के कुल 46,878 विदेशी नागरिक/छात्र भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं। ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में केवल 40,431 विदेशी छात्र उच्च शिक्षा के लिए भारत आए। देश के बड़े शहरों और महानगरों के कुछ निजी शिक्षा संस्थान तो पांच सितारा होटल जैसे प्रतीत होते हैं। हाल ही में मैंने देश के महँगे स्कूली शिक्षा की वार्षिक फीस की जानकारी ली थी, जिससे पता चला कि हमारे देश में कुछ निजी स्कूल की वार्षिक फीस 15-20 लाख रुपये तक भी है। देश में सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली सेवा सुविधाओं का अध्ययन करने पर पता चलता है की, आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी जगत शिक्षा के आधारभूत सुविधाओं से वंचित है। आज भी दुर्गम भागों, पहाड़ी क्षेत्रों में स्कूली बच्चे नदी, नाले, जंगली क्षेत्र पार करके स्कूल जाते है, क्योंकि पक्की सड़क, पुल या सरकारी परिवहन की सुविधा नहीं है।

बहुत से सरकारी स्कूल में कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, खेल सामग्री, मैदान, पर्याप्त मेज कुर्सी, यांत्रिक उपकरण, बिजली, पिने का शुद्ध पानी भी नहीं है। अनेक स्कूल भवन जर्जर अवस्था में है, जिससे बहुत बार जानलेवा हादसे होने की खबरें भी देखने-सुनने को मिलती हैं। अक्सर देखा जाता है कि, काबिलियत होते हुए भी बेहतर सुख-सुविधाओं की कमी के कारण प्रतिभावान बच्चे अपने लक्ष्य से दूर रह जाते है।

राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की, कि अक्टूबर 2024 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,182 शिक्षण पद रिक्त हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों के लिए रिक्तियों की दर 35 प्रतिशत से अधिक है, यहां तक कि आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों में भी शिक्षकों की कमी है, जो कुछ मामलों में 46 प्रतिशत तक है। फिलहाल पदभरती की राह देखते महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अकृषक विश्वविद्यालयों में 1200 और महाविद्यालयों में 11000 स्वीकृत पद रिक्त हैं।

दिसंबर 2023 तक, शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के सरकारी स्कूलों में 8.4 लाख शिक्षक रिक्तियां थी। 2023 के शुरुआत में एक प्रमुख दैनिक के मुताबिक, देश में लगभग 1.2 लाख स्कूल एकल शिक्षक द्वारा चलाए जाते रहे हैं। सभी भारतीय स्कूलों की तुलना में यह अनुपात 8 प्रतिशत है, यह संख्या दर्शाती है कि छात्रों की बड़ी संख्या के कारण एक ही शिक्षक पर अत्यधिक बोझ है। कर्नाटक सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने 19 दिसंबर, 2024 को विधानसभा को सूचित किया कि कर्नाटक राज्य में शिक्षकों के 59,772 रिक्त पद हैं। कर्नाटक राज्य के लगभग 6,158 सरकारी स्कूलों में एक-एक शिक्षक हैं, जो 1.38 लाख छात्रों की जिम्मेदारी संभालते है। 530 स्कूलों में 358 शिक्षक है परंतु यहां कोई छात्र नहीं हैं, राज्य के सरकारी शालाओं में छात्रों के नामांकन में भी गिरावट जारी है।

लगभग 142.86 करोड़ लोगों की आबादी के साथ देश की शिक्षा प्रणाली भी उतनी ही विशाल है। डेलॉइट की येएसएसई 2023 रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में, भारत में प्री-प्राइमरी स्तरों सहित स्कूल में 26.52 करोड़ छात्रों का नामांकन था। देश में औसत छात्र-शिक्षक अनुपात 23:1 है। लद्दाख जैसे कुछ केंद्र शासित प्रदेश में अनुकरणीय अनुपात 7:1 तक कम बताया है, जबकि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों ने क्रमशः 45:1, 33:1 और 29:1 के उच्च अनुपात की सूचना दी है, जो क्षेत्रीय असमानताओं को उजागर करता है। लगभग 7.7 प्रतिशत प्री-प्राइमरी, 4.6 प्रतिशत प्राइमरी और 3.3 प्रतिशत अपर-प्राइमरी स्कूल ऐसे शिक्षकों को नियुक्त करते हैं जो आवश्यक योग्यताएं पूरी नहीं करते हैं।

निजी स्कूलों में 69 प्रतिशत शिक्षक और कई सरकारी शिक्षा संस्थानों में संविदात्मक शर्तों पर शिक्षक काम करते हैं, मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि परिणामस्वरूप, उन्हें नौकरी की सुरक्षा या वित्तीय स्थिरता नहीं मिलती है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतर शिक्षक रिक्तियों ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित है, जहाँ खराब बुनियादी ढांचा और मूलभूत सुविधाओं की कमी एक चुनौतीपूर्ण कार्य का वातावरण पैदा करती है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा भर्ती किए गए लगभग 40 प्रतिशत शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की कमी है। विश्व आर्थिक मंच 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की शिक्षा की गुणवत्ता दुनिया में 90वें स्थान पर है। भारत के शिक्षा मंत्रालय 2021 के अनुसार, भारत के सभी सरकारी स्कूलों में से केवल 4.8 प्रतिशत के पास पर्याप्त बुनियादी ढांचा है, जिसमें कक्षाएँ, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब शामिल हैं, इसने शिक्षा के क्षेत्र में एक असमान स्तर का खेल तैयार किया है, शहरी क्षेत्रों के छात्रों के पास ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की तुलना में बेहतर संसाधन और अवसर हैं।

ईईसीपी ट्रीटमेंट से बायपास की चीरफाड़ से मिला छुटकारा

प्रभाकर नामदेव नारखेड़े : डॉ. प्रदीप पाटिल के श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में हुआ उपचार

नागपुर: मुझे 11 साल पहले अचानक तकलीफ शुरू हुई और सीने में दर्द होने लगा था. मैं उस समय नाशिक के एक निजी अस्पताल में गया और वहां डॉक्टर ने एंजियोग्राफी करने को कहा. एंजियोग्राफी निकाली तो उसमें मेरे हृदय की धमनियों में मल्टिपल ब्लॉकेजेस पाए गए थे. मेरी हालत देखकर डॉक्टर ने मुझे तुरंत बायपास सर्जरी करने की जरुरत बताई. मैंने थोड़ा विचार किया और मुझे नागपुर के मेरे रिश्तेदार डॉ. प्रदीप पाटिल की याद आई. मैं बायपास की चीरफाड़ और उसके बाद होने वाले दर्द से बचना चाहता था. मैंने तत्काल कुछ प्रमुख कारण सामने करते हुए उस समय बायपास टाल दिया और सीधे नागपुर पहुंच गया. नागपुर में मैंने ईईसीपी ट्रीटमेंट ली. ट्रीटमेंट के बाद मैं हर साल त्र्यंबकेश्वर के ब्रह्मगिरि पर्वत की परिक्रमा और आलंदी से पंढरपुर वारी करता हूं. यह भावना नाशिक के प्रभाकर नामदेव नारखेड़े ने व्यक्त की.

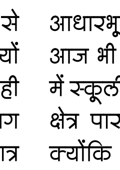

Dr. Pradeep M. Patil

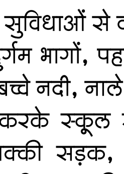

Mrs. Archana Patil Director

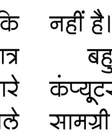

DR. Rucha Patil
M.B.B.S M.D(Anesthesia)
Fellowship in Cardiac Rehabilitation.
Certificate Of EECP
(International cardiologist EECP Society USA)

मल्टिपल ब्लॉकेजेस होने से डॉक्टरों ने तुरंत बायपास कराने की दी सलाह

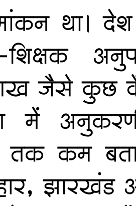

मैं अब 72 साल का हूं. 11 साल पहले दिसंबर 2013 में मुझे सीने में तकलीफ होने लगी थी. मैं नाशिक के ही एक हॉस्पिटल में गया और वहां डॉक्टर ने एंजियोग्राफी करने को कहा. एंजियोग्राफी में मल्टिपल ब्लॉकेजेस पाए जाने से उन्होंने तुरंत बायपास सर्जरी करने को कहा. नागपुर के श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल के डॉ. प्रदीप पाटिल मेरे रिश्तेदार हैं. उनके ईईसीपी ट्रीटमेंट के बारे में मुझे जानकारी थी. इसलिए मैंने मेरा बेटा घर पर नहीं है, मुझे विचार करना पड़ेगा, ऐसे कारण बताकर नाशिक के अस्पताल से छुट्टी ले ली. घर आते ही मैंने डॉ. पाटिल को कॉल किया और उन्हें अपनी समस्या बताई. उन्होंने मुझे तुरंत नागपुर आने को कहा. मैं तुरंत नागपुर पहुंचा और क्रॉसचेक करने के लिए दुबारा एंजियोग्राफी करने का निर्णय लिया. इस बार भी मल्टिपल ब्लॉकेजेस का निदान हुआ. डॉ. प्रदीप पाटिल ने तुरंत ईईसीपी ट्रीटमेंट शुरु करने को कहा. लेकिन मुझे एक निजी समारोह में जाना था, इसलिए मैं नाशिक वापस आ गया. इसलिए मेरी ट्रीटमेंट पूरी नहीं हो सकी थी. एक रिश्तेदार के निजी समारोह में डॉ. पाटिल से दुबारा मुलाकात हुई. उन्हें लगा कि मैं टालमटोल कर रहा हूं. इसलिए उन्होंने मुझे अपनी ही गाड़ी में नागपुर लाया. उनका कहना था कि उपचार में देरी करेंगे तो समस्या और भी बढ़ जाएगी. 8 जनवरी 2014 को श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में मेरी ईईसीपी ट्रीटमेंट शुरु हुई. मल्टिपल ब्लॉकेजेस होने से उन्होंने मुझे 20 सलाइन देने का निर्णय लिया. कोर्स पूरा करने के बाद मैं नाशिक वापस आया. सुनिश्चित करने के लिए फिर से एंजियोग्राफी की. इसमें सारे ब्लॉकेजेस वॉशआउट हो गए थे. तबसे मुझे कोई तकलीफ नहीं है. तबसे अब तक मैं हर साल श्रावण में त्र्यंबकेश्वर में ब्रह्मगिरि पर्वत की 20 किलोमीटर परिक्रमा करता हूं और आलंदी से पंढरपुर वारी के लिए भी जाता हूं. अब मुझे कोई तकलीफ नहीं है और मैं बिल्कुल स्वस्थ हूं. हालांकि उन्होंने मुझे बीच-बीच में ईईसीपी ट्रीटमेंट की एक सीटिंग करने को कहा है.

- प्रभाकर नामदेव नारखेड़े, नाशिक

भव्य हृदयरोग निदान एवं परामर्श शिविर

■ BP ■ Blood Sugar ■ ECG ■ BMI ■ PULSE ■ SP02 ■ THYROID ■ हृदय रोग संबंधी सलाह ■ Diet Consultation ■ LIPID

3000/- के सारे टेस्ट केवल ₹ 500/-

कृपया अपॉइंटमेंट लेकर आए

डॉ. प्रदीप पाटिल पिछले 21 सालों से चिकित्सा सेवा में कार्यरत हैं.

शनिवार, 25 जनवरी 2025, समय 9 से 12

त्रिमूर्ति नगर श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में शिविर आयोजित किया गया है. इस सुनहरे मौके का अवश्य लाभ लें.

कृपया पुरानी रिपोर्ट लेकर आये

4 अत्याधुनिक EECP Ts3 USFDA मान्यताप्राप्त मशीन युक्त हॉस्पिटल

70 से 100% ब्लॉकेजेस पर बगैर ऑपरेशन उपचार.

श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल

पता : प्लॉट नं. 57/बी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, त्रिमूर्तिनगर, नागपुर.

मो.: 7083493268, 8390381479

www.eecpsssh.com ShreeSwamiSamarthHospital

वेबसाईट : www.eecpsssh.com, www.healurheart.com

सरदार का बक्सा

जब दुनिया बनी ही बनी थी तब सारी दुनिया में अँधेरा ही अँधेरा था। लोग दिन की रोशनी के बारे में आश्चर्य तो करते थे और बात भी करते थे पर किसी ने उसको देखा नहीं था। कुछ लोगों का कहना था कि नदी का सरदार उसको अपने बक्से में छिपा कर रखता था। अब रैवन तो अँधेरी दुनिया में ही रहता था। वह चालाक था, अक्लमन्द था, लालची था और हर चीज़ को जानने की उत्सुकता रहती थी उसमें। जब भी उसको जरूरत पड़ती वह अपनी शक्ल भी बदल सकता था। सो एक बार उसने दिन की रोशनी ढूँढने का विचार किया। इसके लिये उसने अपने आपको एक बहुत ही बारीक सुई में बदला और एक ताजे पानी के झरने में कूद गया। अगले दिन जब नदी के सरदार की लड़की पानी पीने के लिये नदी पर आयी तो रैवन उसके प्याले में चला गया। लड़की को पता नहीं चला और वह उस सुई को पानी के साथ पी गयी और उसको बच्चे की आशा हो गयी।कुछ समय बाद उस लड़की को बच्चा हुआ। यह रैवन ही था। रैवन बहुत जल्दी ही बड़ा हो गया। हालाँकि वह बहुत जल्दी गुस्सा हो जाता था और उसकी ऑखें रैवन की ऑखों की तरह से छोटी छोटी दिखायी देतीं थीं फिर भी उसके नाना उसको बहुत प्यार करते थे।जब वह बहुत चिल्लाता तो उसके नाना उसको चाँद के बक्से से खेलने देते। एक बार उसने वह बक्सा खोला और चाँद को बाहर निकल जाने दिया। जब रैवन फिर रोया तो उसके नाना ने उसे दिन की रोशनी वाले बक्से से खेलने दिया।

लोककथा

शेर की पूंछ

❍ यह लोक कथा भी पश्चिमी अफ्रीका के लाइबेरिया देश की लोक कथाओं से ली गयी है। बहुत पहले की बात है एक जवान पति पत्नी अफ्रीका के एक छोटे से गाँव में रहते थे। कुछ दिनों से पति अपनी शादी से खुश नहीं था सो वह काम से घर देर से आता था। उसकी पत्नी सोचती थी कि उसका पति बहुत ही अच्छा आदमी था पर वह भी अपनी शादी से बहुत ज़्यादा खुश नहीं थी क्योंकि उसका बरताव उसको बहुत दुखी कर रहा था। जब वह बहुत तंग हो गयी तो गाँव के एक सबसे बूढ़े आदमी के पास गयी और उसको जा कर अपनी बात बतायी।

वह बूढ़ा, आदमी उसकी कहानी सुन कर बहुत दुखी हुआ। उसी ने उन दोनों की शादी दो साल पहले करायी थी और उस समय उसको लग रहा था कि उन दोनों की शादी अच्छी रहेगी। कुछ देर बाद कुछ सोच कर वह बोला "अगर तुम यही चाहती हो कि तुम अपने पति से अलग हो जाओ तो मैं तुम्हारी शादी खत्म किये देता हूँ। उसके बाद तुम आराम से दूसरी शादी कर सकती हो। पर सोच लो तुम सचमुच यही चाहती हो क्या?" पत्नी बोली "नहीं, मैं शादी तोड़ना नहीं चाहती। मैं चाहती हूँ कि वह भी मुझे ठीक से रखे और मैं भी उसको ठीक से रखूँ। हम दोनों प्रेम से रहें पर ऐसा हो ही नहीं पा रहा है। इस समय हम दोनों परेशान हैं। वह बूढ़ा आदमी बोला "तब मैं तुम्हारी कुछ सहायता कर सकता हूँ। मैं एक ऐसी दवा तैयार कर दूँगा जिसको पी कर वह एक अच्छे पति में बदल जायेगा। "

पत्नी खुशी से चिल्लायी "तो फिर तुम उसे जल्दी से जल्दी तैयार कर दो न। बूढ़ा बोला "मैं तो उसको इसी समय तैयार कर देता पर उसमें पड़ने वाली एक खास चीज़ मेरे पास नहीं है। मैं अब उस चीज़ को लाने के लिये काफी बूढ़ा हो गया हूँ सो अगर तुम वह दवा बनवाना चाहती हो तो तुम्हें ही उस चीज़ को लाना पड़ेगा। पत्नी ने बड़ी उत्सुकता से पूछ "क्या है वह चीज़? मैं उसको आज ही ला देती हूँ। बूढ़ा बोला"मुझे शेर की पूंछ का एक बाल चाहिये तभी वह दवा काम करेगी। "यह सुन कर तो वह कुछ सोच में पड़ गयी।

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

लाड़की बहिन योजना की धनराशि नहीं ली जाएगी वापस

> विपक्ष के आरोपों पर डिप्टी सीएम का जवाब

मुंबई.

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने गुरुवार को लाड़की बहिन योजना को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लाड़की बहिन योजना के तहत वितरित धनराशि की वसूली नहीं की जाएगी। पिछले दिनों विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार लाड़की बहिन योजना के लाभार्थियों की सूची में कटौती करेगी। इसके बाद अपात्रों से धनराशि की कटौती की जाएगी और योजना को बंद कर देगी।

इस पर डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि पिछली बार हमारे पास संभावित लाभार्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन के लिए सीमित समय था। हम हर लाभार्थी के आधार कार्ड को योजना से जोड़ना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इस बार लाभार्थियों के आधार कार्ड को योजना से लिंक किया जाएगा। मगर लाभार्थियों से पैसे की कोई वसूली नहीं की जाएगी।

पुणे में वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट में एक कार्यक्रम में डिप्टी सीएम अजित पवार ने एनसीपी (शरद) के प्रमुख शरद पवार के साथ मंच साझा किया। शरद पवार से हुई चर्चा को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि हमने चीनी से जुड़े मामलों पर बात की। सहकारिता, आबकारी, कृषि और बिजली विभाग चीनी कारोबार से जुड़े हैं। हमने वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कृषि विभाग के कामकाज की समीक्षा की और सरकारी योजनाओं के संभावित दुरुपयोग को उजागर किया।

हमने चीनी से जुड़े मामलों पर बात की: अजित पवार

अजित पवार ने कहा कि जब सरकार लोगों के लाभ के लिए योजनाएं शुरू करती है, तो हमेशा कुछ बेईमान तत्व इसका गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। ऐसा ही मामला एक रुपये की फसल बीमा योजना के साथ भी हुआ है। इससे पहले महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने कहा था कि किसानों के लिए एक रुपए की फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन में अनियमितताएं हैं। लाभ प्राप्त करने के लिए पूजा स्थलों तक को कृषि भूमि के रूप में दिखाया गया है।

संजय राउत ने की बालासाहब के लिए भारत रत्न की मांग

> केंद्र सरकार पर आरोप भी लगाए

मुंबई.

शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को शिवसेना के संस्थापक और दिवंगत बाल ठाकरे को भारत रत्न देने की मांग की। यह बयान बाल ठाकरे की 99वीं जयंती पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दिया। राउत ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार ने कुछ ऐसे लोगों को भारत रत्न दिया है, जो इसके हकदार नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि बाल ठाकरे, जिन्होंने हिंदुत्व के विचारों को फैलाया, उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। बाल ठाकरे की जयंती के

अवसर पर बोलते हुए संजय राउत ने कहा कि बाल ठाकरे को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने हिंदुत्व के बीज इस देश में बोए। उन्होंने कहा कि ठाकरे की जन्म शताब्दी एक साल दूर है और इस शताब्दी से पहले उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि अगर बाल ठाकरे को भारत रत्न मिलेगा, तो इससे वीर सावरकर को भी सम्मान मिलेगा।

संजय राउत की इस मांग को शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ठाकरे ने देश को हिंदुत्व के वास्तविक आदर्श दिखाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, जो खुद को हिंदुत्व समर्थक कहती है उन्हें यह सम्मान देना चाहिए।संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना पर कटाक्ष किया। साथ ही उन्होंने एकनाथ शिंदे की पार्टी को चीनी पटाखों से तुलना की, जो फूटते नहीं हैं, बल्कि बस चिंगारी छोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि असली शिवसेना मातोश्री में है। बता दें कि मातोश्री ठाकरे परिवार का बांद्रा स्थित घर है और वहां उद्धव ठाकरे अपने परिवार के साथ रहते हैं।

स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई. महाराष्ट्र में मुंबई के जोगेश्वरी-ओशिवारा इलाके में एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल को धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। इसके बाद तत्काल ही सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद कर दी गई और परिसर की जांच शुरू हुई। मुंबई पुलिस के मुताबिक, स्थानीय कानून प्रवर्तन और विस्फोटक जांच कर्मी परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच कर रहे हैं।

इससे पहले पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक को धमकी भरा ईमेल मिला था। इसमें आरबीआई के मुंबई कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। धमकी भरा मेल आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की आधिकारिक ईमेल आईडी पर आया था। धमकी रूसी भाषा में दी गई थी। धमकी भरे ईमेल के बारे में जानकारी मिलने पर मुंबई पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत भेजने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। पिछले महीने दिल्ली के छह स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला था। इसके बाद जांच एजेंसियों ने स्कूल परिसर की तलाशी ली। हालांकि, कहीं भी कुछ भी नहीं मिला था। इससे पहले नौ दिसंबर को भी दिल्ली के कम से कम 44 स्कूलों को धरकी भरे ईमेल मिले थे। पुलिस ने गहन जांच के बाद उन धमकियों को अफवाह बताया था।

34 अवैध इमारतों पर चला बुलडोजर

मुंबई. आज महाराष्ट्र में मुंबई से सटे नालासोपारा में 34 अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है। यहां फिलहाल बुलडोजर चल रही है। इस कार्रवाई का आदेश बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया है। वहीं प्रशासन ने अवैध निर्माण हटाने के लिए सुरक्षा कायम रखने के लिए आज हां 400 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। इस कार्रवाई के बाद लगभग 200 परिवार का बेघर होना तय है, जो कई सालों से इसी बस्ती में रह रहे थे। दरउसल वसई-विरार महानगर पालिका ने इन 34 इमारतों के निवासियों को आज यानी 22 जनवरी 2025 तक घर खाली करने का नोटिस भी जारी किया था।

नालासोपारा पूर्व के अग्रवाल नगरी स्थित लक्ष्मी नगर में डंपिंग ग्राउंड और एसटीपी प्लांट के लिए आरक्षित भूमि पर 41 अवैध इमारतों का निर्माण हुआ था। वहीं बॉम्बे हाई कोर्ट ने इन इमारतों को अवैध घोषित करते हुए उन्हें ध्वस्त करने का आदेश दिया था। इससे पहले 7 अवैध इमारतों को ध्वस्त किया गया था। वहीं इस कार्रवाई में करीब 50 से अधिक परिवार बेघर हुए थे।

इनमें कुछ इमारतें तो भयंकर तरीके से जर्जर हो चुकी थीं। बीते साल 2024 की नवंबर में वसई-विरार महानगर पालिका द्वारा इनमें से 7 इमारतें को तोड़ी जा चुकी है। हालांकि इनमें से बची हुई 34 इमारतों में रहने वाले लोगों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए घर खाली नहीं किया था। इसके कारण तब यह कार्रवाई रुक गई थी। वहीं कोर्ट ने मनपा से 31 जनवरी तक कार्रवाई करने की रिपोर्ट भी मांगी है।

विवादित बयान देकर घिरे नितेश राणे

मुंबई.

महाराष्ट्र में अभिनेता सैफ अली खान पर हमले को लेकर सियासी तेज हो गई। राज्य मंत्री नितेश राणे ने उन्हें लेकर कुछ ऐसा कह दिया, जिसके बाद से वे विवादों में फंस गए। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुंबई में बांग्लादेशी क्या कर रहे हैं। वे सैफ अली खान के घर में घुस गए। पहले वे सड़कों के चौराहे पर खड़े रहते थे, अब वे घरों में घुसने लगे हैं। शायद वे सैफ को ले जाने आए थे। यह अच्छा है, कचरा हटा देना चाहिए। उनके इस बयान पर राकांपा-एसपी सांसद रोहित पवार

ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बलों को और ताकत देने की जरूरत है। अधिक से अधिक लोगों को सेना में भर्ती करना चाहिए। महाराष्ट्र में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशियों के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

नितेश राणे के बयान पर रोहित पवार का पलटवार

नितेश राणे के बयान पर पलटवार करते हुए राकांपा-एसपी रोहित पवार ने कहा, "हमें सीमा सुरक्षा बल को और अधिक ताकत देने की जरूरत है। सेना में अधिक से अधिक लोगों की भर्ती कराने की जरूरत है। इसलिए मेरी उनसे अपील है कि वे सिर्फ मीडिया के सामने आकर बोलने की बजाय उन्हें राजनाथ सिंह जी से मिलना चाहिए और उनसे डिफेंस में अधिक से अधिक लोगों की भर्ती करने का अनुरोध करना चाहिए। मुझे लगता है कि इससे बाहर से आने वालों की संख्या में कमी आएगी।

सैफ पर हमला मामले में शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा, "सिर्फ इसलिए कि सैफ अली खान के रीढ़ की हड्डी में चाकू घुस गई, इसके बावजूद वे शेर की तरह अपने आठ साल के बेटे के साथ अस्पताल पहुंचे। उनकी जान बच गई, उनके लिए खुश होने की बजाय मुझे नहीं मालूम कि मीडिया और राजनीतिक वर्ग के कुछ लोग पुलिस बल की ईमानदारी पर सवाल उठाकर क्या कर रहे हैं?

एमपी में निवेश करेंगे पुणे के कई उद्योगपति

पुणे.

मध्य प्रदेश सरकार राज्य में निवेश को बढ़ाने के लिए इंटरएक्टिव सेशन कर रही है। इसके जरिए वह देश भर के उद्यमियों के साथ सीधा संवाद कर रही है और 24 से लेकर 25 फरवरी तक भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए देश भर के निवेशकों को आमंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। इसी सिलसिले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार को पुणे पहुंचे और उन्होंने राज्य के निवेशकों और उद्योगपतियों से सीधा संवाद किया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ऑटोमोबाइल, आईटी, पर्यटन, विनिर्माण, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण तथा इंजीनियरिंग के साथ-साथ लॉजिस्टिक उद्योग समेत अन्य सेक्टर के कई उद्योगपतियों को मध्य प्रदेश में आने और निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान नवभारत के ब्यूरो चीफ शैलेंद्र सिंह ने उनसे खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर खुलकर बातचीत की।

सेशन के बारे में जानकारी देते हुए बताया जा रहा है कि इस इंटरएक्टिव सेशन में 300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिसमें पूरे के एवं आसपास के कई क्षेत्रों के निवेशकों ने अपनी सहभागिता और सहमति जताई। मुख्यमंत्री ने इस दौरान 30 से अधिक उद्योगपतियों से वन टू वन मीटिंग की, जिसमें बाबा कल्याणी, डॉक्टर अभय फिरोदिया, सुधीर मेहता, राकेश नवानी, रजनीकांत बेहरा, तरुण सिंहा, अश्वनी मल्होत्रा, हिरोशी योशीजेन जैसे तमाम दिग्गज शामिल हैं।

एकनाथ शिंदे ने एमएमआरडीए की सराहना की

मुंबई. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एमएमआरडीए की जमकर सराहना की। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित कन्वेंशन सेंटर में 'एमएमआरडीए' की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण मुंबईकरों के सपनों को आकार देने वाला विकास का प्रेरणा स्रोत है। दूसरे शब्दों में यह राज्य का विकास इंजन है। कार्यक्रम में कौशल, रोजगार और उद्यमिता विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक राजन नाईक, शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता, अतिरिक्त महानगर आयुक्त विक्रम कुमार, अश्विन मुद्गल, संयुक्त महानगर आयुक्त राधा विनोद शर्मा सहित एमएमआरडीए के अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक उपस्थित

थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उत्सव को राज्य के लोगों को दी गई सुविधाओं का उत्सव बताते हुए कहा कि वे तीव्र और गतिशील विकास के निर्माता 'एमएमआरडीए' की टीम को बधाई देते हैं। विकास, विरासत और संस्कृति का सही मिश्रण 'एमएमआरडीए' में देखा जा सकता है। अगली पीढ़ी को इस विकास का फल मिलेगा। प्राधिकरण ने मुंबई के साथ-साथ ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। प्राधिकरण 6,500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र और 35 मिलियन की आबादी का विकास कर रहा है।

डीसीएम शिंदे ने कहा कि सलाहकार के रूप में स्थापित यह संगठन आज तीव्र गति से विकास कार्य कर रहा है। यह देश का एकमात्र प्राधिकरण है, जिसके पास 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कार्य चल रहे हैं। इसका उद्देश्य राज्य की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। लेकिन अकेले एमएमआरडीए क्षेत्र में डेढ़ ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है। महानगरीय प्राधिकरण क्षेत्र में विश्व का वित्तीय केंद्र बनने की क्षमता है। मैं इस क्षमता का सृजन करने वाले प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि राज्य वर्तमान में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के क्षेत्र में नंबर एक स्थान पर है और उन्हें विश्वास है कि दावोस में अब तक के सभी निवेश रिकॉर्ड टूट जाएंगे। सरकार जनता के लिए काम कर रही है। सरकार लोगों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। अब मुंबई में झुग्गी पुनर्वास परियोजना को एमएमआरडीए, नगर निगम, सिडको और म्हाडा के माध्यम से कार्यान्वित करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए उन्होंने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि ये परियोजनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी।

NAGPUR MUNICIPAL CORPORATION
TENDER NOTICE

Commissioner NMC invites e-tenders for the following work. These E-Tenders can be downloaded by the Registered Contractors of Nagpur Municipal Corporation from the e-tendering Portal **(www.mahatenders.gov.in)**. The terms and conditions of e-tenders other Details are available on the e-tendering Portal **(www.mahatenders.gov.in)**.

Name of the work	Tender Cost
Asphalting of Road From H/o Sachin Mathale to H/o Puran Shahu at Dinbandhu Society Kh. No. 81/2 & Priti Society Kh .No.86/1 Gulshan Nagar Mouza Wanjari in Prabhag No. 04.	5445887
Providing & Laying Sewer Line From H/o Mate to Chandu Hazare Near Nagpure School Sai Mandir Sai Nagar in Prabhag No. 04.	990753

Note: - 1) Tender Sale Start Date : **23/01/2025 2)** Tender Sales End / Submission End Date : **06/02/2025 3)** Tender Opening Date **07/02/2025** (If Possible)

Advt No : 917/PR,
Dt : 23/01/2025

Executive Engineer, Zone No. 08
N.M.C., Nagpur

कोर्ट विद्यमान सुनिल साळवे नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, जिल्हा नागपूर.
Email : www.tahsildarngpcity@gmail.com Phone No. 0712-2561975
क.ली/प्रस्तु- २/तह.नाग.(शहर)/प्र.क्र. ९२/कावि- क्यु/२०२४
दिनांक ११/१२/२०२४

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/२०२३, दि. १५/१०/२०२३, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/२०२४, **६) श्री रचित दिलीप जैस,** वय **३५,** रा. जुनी शुक्रवारी, शांती भवन च्या बाजुला, सक्करदरा रोड, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक २४/०७/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्री रचित दिलीप जैस,** वय **३५,** रा. जुनी शुक्रवारी, शांती भवन च्या बाजुला, सक्करदरा रोड, नागपूर यांनी त्यांचे आजी यांच्या **मृत्युची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू आजी नामे **श्रीमती चंपाबाई गणेशलालजी जैस** यांचा **मृत्यु** दिनांक ०३/०९/१९९५ रोजी (राहत्या घरी) जुनी शुक्रवारी, शांती भवन च्या बाजुला, सक्करदरा रोड, नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्यु** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २, ३, ४, व ५ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **मृत्यु** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यु** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **मृत्यु** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का (सुनिल साळवे) नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर.
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 686 Dt. 17/01/25
IN THE COURT OF 2nd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 304
M.J.C. Case No. 1192/2024
Fixed For 28/01/2025

Applicant : 1) Savita Rajiv Choudhary, R/o Flat No. 102 Wing A Vaishnav Park Govindraj Regency, Beltarodi, Pipla Nagpur. **2) Sakshi Rajiv Choudhary,** R/o Flat No. 102 Wing A Vaishnav Park Govindraj Regency, Beltarodi, Pipla Nagpur. **--Versus--**
Non-Applicants: Nil
Name of Deceased: 1) Rajiv Madhavrao Choudhary, Died On: 10/06/2016, R/o Flat No. 102 Wing A Vaishnav Park Govindraj Regency, Beltarodi, Pipla Nagpur.

Whereas **Rajiv Madhavrao Choudhary, Died On: 10/06/2016,** R/o Flat No. 102 Wing A Vaishnav Park Govindraj Regency, Beltarodi, Pipla Nagpur and Whereas **Savita Rajiv Choudhary & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Savita Rajiv Choudhary & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **2nd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **28th Day of Jan., 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forth with proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, that **16th day of Jan., 2025.**

Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.
Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्यमान सुनिल साळवे नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, जिल्हा नागपूर.
Email : www.tahsildarngpcity@gmail.com Phone No. 0712-2561975
क.ली/प्रस्तु- २/तह.नाग.(शहर)/प्र.क्र. ३९६/कावि- ४१/२०२४
दिनांक १०/०१/२०२५

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/२०२३, दि. १५/१०/२०२३, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे कडील आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/२०२४, **६) श्रीमती वनिता अरून बंसोड,** रा. गल्ली नं. १, पुनापुर रोड, बुजाडे सायकल स्टोर्स, भवानी नगर, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक २६/१२/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्रीमती वनिता अरून बंसोड,** रा. गल्ली नं. १, पुनापुर रोड, बुजाडे सायकल स्टोर्स, भवानी नगर, नागपूर यांनी त्यांच्या मुलीच्या **जन्माची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांच्या मुलगी नामे **अफशा नाज अब्दुल अजीज शेख** यांचा **जन्म** दिनांक ०५/१२/२०१२ रोजी डागा हॉस्पिटल, नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

सदर्हू **आरोही अरूण बंसोड,** ईचा **जन्म दिनांक २८/०८/२०१२** रोजी रहत्या घरी झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २, ३, ४, व ५ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह उपविभागीय दंडाधिकारी, नागपूर शहर यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का (सुनिल साळवे) नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर.
Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्या. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१
ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६१९७५
क्र.प्रस्तु-२/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १५२/ कावि-३७/२०२४
दिनांक ०८/०१/२०२५

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/२०२३, दि. १५/१०/२०२४, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/ २०२४, **६) अर्जदार देवराज अखाडूजी केळेकर,** वय **५४** वर्ष, रा. मेहंदीबाग रोड डोरले किराना स्टोर्स बिनाकी मंगळवारी डॉ. आंबेडकर मार्ग नागपूर यांचा अर्ज दिनांक ०७/१०/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **देवराज अखाडूजी केळेकर,** वय **५४** वर्ष, रा. मेहंदीबाग रोड डोरले किराना स्टोर्स बिनाकी मंगळवारी डॉ. आंबेडकर मार्ग नागपूर यांनी **मृत्यूची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांनी अर्जदार यांचे वडील **अखाडूजी नथ्थुजी केळेकर** यांचा **मृत्यू दिनांक १५/०५/२००५** रोजी घरी नवी मंगळवारी नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्यू** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **मृत्यू** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यू** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **मृत्यू** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का (श्रीमती अपेक्षा रैच) कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)
Prasanna Publicity 09326927622

महाराष्ट्र शासन
महसूल व वनिवभाग
तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, उमरेड यांचे कार्यालय तालुका उमरेड, जिल्हा नागपूर- ४४१२०३
दुरध्वनी क्र. 07116-242004 ई-मेल : tahsilofficeumred@gamil.com
क्र.म.स./जन्म-मृत्यु/तह-उम/जन्म अनु.क्र.- १३/कावि- ७२/२०२५

जाहीरनामा

ज्याअर्थी, अर्जदार **श्रीमती निलम संगीता मिंझ,** राह. नागपुर, ता. जि. नागपुर यांनी **निलम संगीता मिंझ** या नावाची दिनांक १०/०२/१९७३ रोजीची जन्माची नोंद ग्राम पंचायत, वायगांव घोटुली येथे दप्तरी घेणेकरीता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केलेला आहे.

त्याअर्थी, जाहिर करतो की, सदर व्यक्तीच्या **जन्माबाबत नोंद** घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणांस काही आक्षेप वा उजर असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे व साक्षीदारांसह या न्यायालयात या जाहिरनाम्याच्या दिनांकापासुन **३० दिवसांचे आत** सादर करावे. मुदतीनंतर आक्षेप विचारात घेतले जाणार नाही.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास जन्मावाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही असे गृहित धरुन प्रस्तावित जन्म नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमीत करण्यात येईल.

शिक्का कार्यकारी दंडाधिकारी उमरेड
Prasanna Publicity 09326927622

महाराष्ट्र शासन
महसूल व वनिवभाग
तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, उमरेड यांचे कार्यालय तालुका उमरेड, जिल्हा नागपूर- ४४१२०३
दुरध्वनी क्र. 07116-242004 ई-मेल : tahsilofficeumred@gamil.com
क्र.म.स./जन्म-मृत्यु/तह-उम/जन्म अनु.क्र.- १४/कावि- ७३/२०२५

जाहीरनामा

ज्याअर्थी, अर्जदार **श्री पॅट्रीक राजेश मिंझ,** राह. नागपुर, ता. जि. नागपुर यांनी **पॅट्रीक राजेश मिंझ** या नावाची दिनांक १०/०९/१९७० रोजीची जन्माची नोंद ग्राम पंचायत, वायगांव घोटुली येथे दप्तरी घेणेकरीता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केलेला आहे.

त्याअर्थी, जाहिर करतो की, सदर व्यक्तीच्या **जन्माबाबत नोंद** घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणांस काही आक्षेप वा उजर असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे व साक्षीदारांसह या न्यायालयात या जाहिरनाम्याच्या दिनांकापासुन **३० दिवसांचे आत** सादर करावे. मुदतीनंतर आक्षेप विचारात घेतले जाणार नाही.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास जन्मावाबतची न

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण को हुआ एक साल, मंदिर निर्माण में चंद्रपुर की सागौन लकड़ी

> मुनगंटीवार को सभी लोगों ने किया याद
> ऐतिहासिक समारोह से बनाया विश्व रिकॉर्ड
> जिले के राम भक्तों की भावना

चंद्रपुर, सुनील तायडे

22 जनवरी 2024 का दिन अयोध्या के साथ-साथ पूरे भारत के लिए ऐतिहासिक दिन बन गया. यही वह दिन है जब प्रभु श्रीरामचंद्र का लगभग 500 वर्षों का वनवास समाप्त हुआ और रामलला को जीवनदान मिला। इस ऐतिहासिक स्वर्णिम घटना को एक साल पूरा हो रहा है. इस ऐतिहासिक घटना की वर्षगाँठ पर चंद्रपुरकर का दिल आज भी भक्तिपूर्ण सम्मान और गौरव से भरा हुआ है। इस अवसर पर प्रभु श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शानदार उत्सव में चंद्रपुर शहर के ऐतिहासिक योगदान का भी जश्न मनाया जा रहा है।

महाराष्ट्र राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक कार्य एवं सार्वजनिक कार्य मंत्री विधायक सुधीर मुनंगटीवार की पहल के कारण, चंद्रपुर को प्रभु श्री राम मंदिर में योगदान देने का सौभाग्य मिला। कारसेवक के रूप में श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेने वाले सुधीर मुनगंटीवार ने राज्य के वन मंत्री के रूप में उसी श्री राम जन्मभूमि में बनने वाले भव्य राम मंदिर के लिए चंद्रपुर की लकड़ी का योगदान दिया। भगवान श्री राम के मंदिर के गर्भगृह के लिए चंद्रपुर और गढ़चिरौली के सागौन को देश के सर्वश्रेष्ठ सागौन के रूप में चुना गया था। छत्रपति शिवाजी महाराज के महाराष्ट्र में भगवान श्री राम के गर्भगृह के लिए सागौन की लकड़ी का उपयोग पूरे महाराष्ट्र और

चंद्रपुरकरों के लिए गौरव का एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बन गया।

चंद्रपुर, गढ़चिरौली से सर्वोत्तम सागौन की लकड़ी रवाना करने का समारोह विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कुछ ऐसा बनाया है जो हर चंद्रपुरकर के लिए अविस्मरणीय रहेगा। उनकी इस पहल से श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरिजी महाराज इस समारोह में शामिल हुए और इस ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह में राम भक्ति को आशीर्वाद दिया। इस समारोह में कई मशहूर कलाकारों ने अपनी कला पेश की. पूरे चंद्रपुर शहर में जुलूस निकाला गया. इस जुलूस में कई कला मंडलियों ने अपनी कला प्रस्तुत की. भगवान श्री राम से दिल से जुड़े हुए सुधीर मुनगंटीवार ने लकड़ी भेजने की रस्म को भव्य रूप देकर श्री राम मंदिर निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया। 1800 घन मीटर सागौन की लकड़ी अयोध्या भेजी गई।

चंद्रपुरकर ने भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण के ऐतिहासिक क्षण को ऐतिहासिक बनाने में कई तरह से योगदान दिया। विधायक सुधीर मुनगंटीवार की संकल्पना और पहल के चलते 33 हजार 258 परपोतों ने 'सियावर रामचन्द्र की जय' अक्षर बनाए। इन दियों को एक साथ जलाने से 'सियावर रामचन्द्र की जय' की रोशनी के साथ चंद्रपुर के चांदा क्लब के मैदान से लेकर अयोध्या तक जय श्रीराम का उद्घोष गूंज उठा। इस अनूठे समारोह ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। इन दीपाक्षरों को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। विधायक मुनगंटीवार ने जटायु के संरक्षण के लिए सुधीर मुनगंटीवार ने जो पहल की, उससे उनमें रामभक्ति का अद्वितीय दायित्व सिद्ध हुआ। रामायण में विशेष महत्व पाने वाले जटायु यानी गिद्धों की तेजी से घटती संख्या को ध्यान में रखते हुए ताडोबा में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले सुधीर मुनगंटीवार ने जटायु संरक्षण केंद्र का शुभारंभ कर श्री रामचंद्र को अनूठी श्रद्धांजलि दी। 22 जनवरी 2024 के ऐतिहासिक दिन पर भगवान श्री रामचन्द्र की मूर्ति का अनावरण किया गया। हर भारतीय की तरह चंद्रपुरकर को भी यह समारोह याद रहा. लेकिन चंद्रपुर जिले के सभी लोगों को यह अहसास था कि वे भी इस समारोह में ऐतिहासिक योगदान दे सकते हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन में सुधीर मुनगंटीवार का योगदान रहा. चंद्रपुर जिले के राम भक्त अपनी भावना व्यक्त कर रहे हैं कि इस जिले को भगवान श्री राम की सेवा करने का सौभाग्य मिला है।

समाज को आकार देने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका

राजुरा.

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वह लोकतंत्र के तीनों स्तंभों - विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका - के कामकाज पर नजर रखकर तथा समाज के स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करे। समाज में व्याप्त खामियों को दूर करना और सकारात्मक सोच विकसित करना ऐसा राजुरा में आयोजित प्रेस दिवस समारोह में विधायक देवराव भोंगले ने कहा कि पत्रकारों द्वारा दी जाने वाली सटीक खबरों और विश्लेषण के माध्यम से जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ समाज को आकार देने में पत्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार मुरली मनोहर व्यास ने की।

उद्घाटन विधायक देवराव भोंगले ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एडवोकेट वामनराव चटप, पूर्व विधायक सुभाष धोटे, पूर्व विधायक सुदर्शन निमकर, अविनाश जाधव, सतीश धोटे, वॉयस ऑफ मीडिया जिला अध्यक्ष अनिल बलसरफ, पत्रकार संघ के जिला उपाध्यक्ष डॉ. उमाकांत धोटे, पत्रकार संघ के अध्यक्ष बी.यू. बोर्डेवार, संघ के अध्यक्ष श्रीकृष्ण गोरे भी मौजूद थे।

राजुरा तालुका पत्रकार संघ और राजुरा पत्रकार संघ ने संयुक्त रूप से 6 जनवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज कॉम्प्लेक्स में पत्रकार दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत गीत के बाद हुई। इस अवसर पर सभी अतिथियों को शॉल, मेडल, प्रमाण पत्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विनायक देशमुख को माहियर गुण्डेविया पुरस्कार, टीवी 9 के नीलेश दहाट को शंकरराव देशमुख पुरस्कार, रंगराव कुलसांगे को प्रभाकरराव मामुलकर पुरस्कार, बीयू बोरदेवर को राघवेंद्रराव देशकर पुरस्कार, बाबा बेग को सुरेंद्र दोहे पुरस्कार प्रदान किया गया। राधा अत्राम को सरस्वती बोर्डेवार पुरस्कार। इसके अलावा एबीपी माझा के सम्मानित पत्रकार सारंग पांडे, फारूक शेख, मंगेश श्रीराम, सैयद जाहिर, मंगेश बोरकुटे, साहिल सोलंके को शॉल, माला, मेडल और गुलदस्ते देकर सम्मानित किया गया। विधायक देवराव भोंगले, पूर्व विधायक एडवोकेट. वामनराव चटप, पूर्व विधायक सुभाष धोटे, पूर्व विधायक सुदर्शन निमकर, अविनाश जाधव, अनिल बालसराफ ने भाषण दिए। कार्यक्रम का परिचय पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्रीकृष्ण गोरे ने दिया, संचालन एजाज अहमद और आनंद चालक ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रफुल्ल शेंडे ने किया। कार्यक्रम में गणेश बेले, आनंद भेंडे, सुरेश साल्वे, प्रवीण देशकर, सागर भटपल्लीवार, एम.के. सेलोटे, बादल बेले, संतोष कुंदोजवार, वसंत पोटे, वामन पुरटकर, कृष्ण कुमार, नितिन मुसले, मनोज आत्राम, शाहनवाज कुरैशी, बंडू वनकर, उमेश मार्शेट्टीवार ., प्रकाश काले और अविनाश दोरखंडे ने कड़ी मेहनत की। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार, नागरिक और महिलाएं शामिल हुईं।

पूजा कैटरर्स के खिलाफ नगर निगम की दंडात्मक कार्रवाई

> खुले में कूड़ा कचरा फेंकने पर लगाया जुर्माना

चंद्रपुर. चंद्रपुर नगर निगम की उपद्रव जांच टीम ने 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है. नगर निगम घर-घर जाकर गीला और सूखा कूड़ा एकत्र करता है। हालाँकि, शहर में कुछ स्थानों पर नागरिक कूड़ा बाहर फेंक देते हैं। इससे इलाके में दुर्गंध फैल गयी और शहर में गंदगी फैल गयी. इन प्रकारों पर अंकुश लगाने के लिए, नगरपालिका स्वच्छता निरीक्षकों द्वारा नियमित स्वच्छता निरीक्षण किया जाता है। चंद्रपुर नगर निगम नागरिकों, दुकानदारों और बाजार क्षेत्र से स्वच्छता बनाए रखने और दंडात्मक कार्रवाई से बचने की अपील करता है।

चंद्रपुर नगर निगम क्षेत्र के सभी दुकानदारों, फेरीवालों और अन्य सभी पेशेवरों को अपने प्रतिष्ठानों पर कूड़ेदान रखना आवश्यक है। ऐसा न करने पर और प्रतिष्ठान के 10 वर्ग फीट के दायरे में गंदगी पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाती है, दरअसल इरादा जुर्माना लगाने का नहीं, बल्कि स्वच्छता लागू करने का है। कार्रवाई के लिए न्यूसेंस डिटेक्शन टीम का गठन किया गया है और उक्त टीम के माध्यम से शहर में सार्वजनिक स्वच्छता बनाए रखने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों को लागू करने, उपद्रव को रोकने, प्लास्टिक अपशिष्ट नियमों को लागू करने और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्र निर्माण के लिए कर्मचारियों के हितों को साधना जरूरी : सांसद धानोरकर

चंद्रपुर. सांसद प्रतिभा धानोरकर ने संसदीय कोयला एवं इस्पात स्थायी समिति के दौरे के दौरान यह राय व्यक्त की कि चूंकि कर्मचारी भी राष्ट्र निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है, इसलिए उसे प्रदान की जाने वाली सुविधाएं भी महत्वपूर्ण हैं। इस बार उन्होंने खुद फील्ड में जाकर कर्मचारियों की समस्याओं की समीक्षा की.

खान एवं इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति का 21 से 24 जनवरी 2025 तक रायपुर एवं गोवा में चार दिवसीय दौरा आयोजित किया गया। इस यात्रा के दौरान समिति की सदस्य के रूप में सांसद प्रतिभा धानोरकर 21 जनवरी को गेवरा ओपन कास्ट परियोजना का दौरा किया और संबंधित कर्मचारियों को क्षेत्र में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। इस मौके पर उन्होंने कर्मचारियों की सुरक्षा का भी जायजा लिया. 22 जनवरी को भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा कर भारतीय इस्पात प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ पर्यावरण एवं खान सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद धानोरकर ने चर्चा के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में उद्योग जगत की भूमिका महत्वपूर्ण है और इसके लिए कर्मचारियों का कल्याण एवं सुरक्षा महत्वपूर्ण है. इस समय सांसद धानोरकर ने कर्मचारियों को इस बात के भी निर्देश दिए कि सभी खनन और इस्पात उद्योग पर्यावरण को खराब नहीं करेंगे और उद्योग स्थापित करते समय किसानों को जमीन और नौकरी का उचित मुआवजा तुरंत दिया जाना चाहिए. इस समय कोल इंडिया लि. कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में कोल इंडिया लि. अध्यक्ष, एस.ई.सी. एल. इस अवसर पर खान एवं इस्पात समिति के सभी सदस्यों सहित इस्पात मंत्रालय, भारतीय इस्पात प्राधिकरण और भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जिला परिषद भर्ती में समानांतर आरक्षण के बावजूद नियुक्ति का इंतजार

चंद्रपुर . जिला परिषद में विभिन्न पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। लिखित परीक्षा और दस्तावेज़ सत्यापन जैसी सभी बाधाओं को पार करने के बाद चयन सूची की घोषणा की गई। उम्मीद थी कि कम से कम अब हमें नियुक्ति आदेश मिल जाएगा और हम काम शुरू कर सकेंगे। हालांकि, समानांतर आरक्षण के लिए रिक्त सीटों को भरने की प्रक्रिया में डेढ़ सप्ताह की देरी हो गई है। योग्य उम्मीदवार जिला परिषद की दहलीज पार कर रहे हैं।

बेरोजगारी के समय में व्यक्ति को नौकरी ढूंढने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। जब आप इस संघर्ष में एक बाधा पार कर लेते हैं, तो आपको ऐसा महसूस होने लगता है कि आपका लक्ष्य करीब आ गया है। जिज्ञासा भी बढ़ रही है. हालाँकि, लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रतीक्षा अवधि बढ़ जाती है। इससे संघर्षशील मन को बड़ा झटका लगता है, ऐसी ही स्थिति का सामना जिला परिषद में सीधी सेवा भर्ती के माध्यम से अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को भी करना पड़ता है। राज्य सरकार ने 25 जनवरी 2024 को समानान्तर आरक्षण में रिक्तियों को भरने का आदेश जारी किया है। सातवें बिन्दु में समानान्तर आरक्षण में रिक्तियों को भरने के सम्बन्ध में स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं। इसके बाद भी जिला परिषद इन नियुक्तियों में देरी कर रही है। यह प्रक्रिया लम्बी खिंचती चली गई। नियुक्ति प्रक्रिया कब पूरी होगी, यह नहीं बताया जा रहा है, हर बार गोलमोल जवाब दिए जा रहे हैं। यही कारण है कि समानांतर आरक्षण के योग्य अभ्यर्थियों को तरजीह दी जा रही है। इसके लिए चंद्रपुर जिला परिषद के सामने बड़ी संख्या में धरना प्रदर्शन किया गया। इसके विपरीत गढ़चिरौली, बीड, नासिक और अमरावती के जिला परिषद प्रशासन ने समानांतर आरक्षण के पात्र लोगों को नियुक्ति पत्र देकर उन्हें आरक्षण में शामिल कर लिया है। अन्य जिलों में लिए गए निर्णय चंद्रपुर जिला परिषद पर लागू नहीं होते हैं या नहीं, यह प्रश्न आज भी ज्यों को त्यों खड़ा है.

सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम अब होगा कर्मवीर मा. सा. कन्नमवार मेडिकल कॉलेज

चंद्रपुर. चंद्रपुर में निर्माणाधीन सरकारी मेडिकल कॉलेज को अब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कर्मवीर मा. सा. कन्नमवार का नाम रखा गया है. इस संबंध में सरकार की ओर से एक सर्कुलर जारी किया गया है और जनभावना को ध्यान में रखते हुए कर्मवीर मा.सा. कन्नमवार नामकरण करने के लिए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को विधायक किशोर जोरगेवार ने धन्यवाद दिया है।सभी सुख-सुविधाओं से सुसज्जित चंद्रपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है. विधायक किशोर जोरगेवार इस कॉलेज के अंतिम चरण के काम को पूरा करने के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कॉलेज के कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये हैं.

इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री कर्मवीर कन्नमवार समुदाय के लोगों की ओर से मांग की गई कि उनका का नाम दिया जाए . विधायक किशोर जोरगेवार, पूर्व मंत्री शोभा फड़नवीस और विधायक कीर्ति कुमार भांगड़िया के आग्रह पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कन्नमवार शताब्दी रजत जयंती समारोह में शामिल हुए। इस महोत्सव में एक बार फिर ये मांग की गई.

इस मांग पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ने कर्मवीर मा. सा. कन्नमवार नाम रखने का फैसला किया गया है. सरकार द्वारा प्रकाशित परिपत्र के अनुसार , " गवर्नमेंट कॉलेज एंड हॉस्पिटल , चंद्रपुर" का नाम बदलकर "कर्मवीर एम.एस. कन्नमवार गवर्नमेंट कॉलेज एंड हॉस्पिटल , चंद्रपुर" कर दिया गया है। तदनुसार, आयुक्त , चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान निदेशालय , मुंबई को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

"विकास कार्यों में तेजी लाएं: मुख्य सचिव सुजाता सौनिक"

> "दो सप्ताह से अधिक कोई विकास कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए"..
> "सरकारी कामकाज में तकनीक का उपयोग बढ़ाएं"...

गडचिरोली, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने आज गडचिरोली में प्रशासनिक तंत्र की समीक्षा करते हुए जिलें में विकास कार्यों को तेजी देने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा

कि कोई भी विकास कार्य दो सप्ताह से अधिक लम्बित न रहे और यदि परियोजनाओं में कोई बाधाएँ हों, तो सीधे उनसे संपर्क करें।

जिलाधीश कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधीश अविश्यांत पंडा, विशेष पुलिस महानिरीक्षक संदीप पाटिल, और जिला पुलिस अधीक्षक श्री निलोत्पल उपस्थित थे। श्रीमती सौनिक ने प्रशासनिक कार्यों की गति बढ़ाने के लिए तकनीक के उपयोग पर जोर दिया और गडचिरोली को एक डिजिटल जिला विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने सरकारी इमारतों पर सौर पैनल लगाने, कृषि में बहु-फसल प्रणाली अपनाने, और फलदार वृक्षों की रोपाई को बढ़ावा देने के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने स्थानीय आईटीआई के छात्रों को जिला उद्योगों में प्राथमिकता देकर रोजगार प्रदान करने और कम से कम 30% महिलाओं को रोजगार का आश्वासन देने का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने पीईएसए अधिनियम में सुधार के प्रस्ताव देने का सुझाव दिया। श्रीमती सौनिक ने आश्वासन दिया कि स्थानीय स्तर पर जिन समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता, उनकी सूची उनके पास भेजी जाए, और उन पर 100% प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए तत्परता से काम करने का भी निर्देश दिया। जिलाधीश अविश्यांत पंडा ने जिले में विकास कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। मुख्य सचिव ने गोंडवाना विश्वविद्यालय के आईआईटी प्रशिक्षण केंद्र और एकल केंद्र का दौरा करते हुए छात्रों के लिए प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए डिजिटल कारपेंट्री यूनिट और ई-बाइक उत्पादन यूनिट की स्थापना का सुझाव दिया। बैठक में सभी उपविभागीय अधिकारी, उपजिलाधीश और विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

चंद्रपुर पर्पल उत्सव का आयोजन

> विकलांग लोगों के लिए कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम

चंद्रपुर.

चंद्रपुर शहर नगर निगम द्वारा विकलांग लोगों के लिए चंद्रपुर पर्पल उत्सव का आयोजन किया गया है और इसमें विभिन्न कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। चंद्रपुर नगर निगम की दिव्यांग नीति के तहत दिव्यांग कौशल विकास मल्टीपर्पज सोसायटी और पूनम प्रोडक्शन के सहयोग से गणतंत्र दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम में 12 से 5 बजे तक उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया है. विकलांग लोग समाज का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर उपेक्षित घटक हैं। विकलांग लोगों के सशक्तिकरण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा योजनाएं शुरू की गई हैं और उन्हें चंद्रपुर नगर निगम द्वारा नगरपालिका स्तर पर कार्यान्वित किया जा रहा है।

शारीरिक दिव्यांगता के कारण दिव्यांग भाइयों की प्रतिभा को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता है, इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षा मंत्री डॉ. अशोक उइके द्वारा किया जाएगा। अध्यक्ष के रूप में सांसद प्रतिभा धानोरकर, विधायक जोरगेवार उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में दिव्यांगजन गायन, समूह गायन, नृत्य, समूह नृत्य, रैंप वॉक जैसे अपने हुनर पेश करेंगे. कार्यक्रम के अवसर पर भोजन एवं अन्य व्यवस्था की गई है तथा बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहेंगे।

फिर से रिलीज होगी 'ऑरेंज'

पैन इंडिया स्टार राम चरण इन दिनों अपनी फिल्म गेम चेंजर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। साल 2010 में रिलीज हुई राम की फिल्म ऑरेंज को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। जानिए किस खास दिन देख सकेंगे राम की फिल्म ऑरेंज। ग्लोबल स्टार राम चरण ने कथित तौर पर कई मौकों पर बताया है कि ऑरेंज उनकी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। भले ही यह व्यावसायिक रूप से असफल रही हो। 2010 की रोमांटिक ड्रामा ऑरेंज को इस वैलेंटाइन डे पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में वापस लौट रही है।

ऑरेंज 2010 की भारतीय तेलुगु भाषा की एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसे भास्कर ने लिखा और निर्देशित और के. नागा बाबू द्वारा निर्मित है। फिल्म में राम चरण तेजा , जेनेलिया और शाजान पद्मसी ने अहम भूमिका निभाई है जबकि प्रभु और प्रकाश राज सहायक भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म, जिसका संगीत हैरिस जयराज ने तैयार किया था और 26 नवंबर 2010 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म रिलीज होने पर बॉक्स ऑफिस पर असफल रही, लेकिन समय के साथ एक कल्ट फिल्म बन गई। इसे 2011 में तमिल में राम चरण के रूप में और इसका मलयालम डब संस्करण है, जो 18 अप्रैल 2012 को रिलीज किया गया। राम चरण की गेम चेंजर भी बॉक्स ऑफिस पर फेल होती नजर आ रही है। फिल्म ने पहले दिन 51 करोड़ रुपये के कलेक्शन

क्या 'पंचायत 4' में नजर आएंगे अमिताभ बच्चन?

किसी भी सुपरस्टार का फैन-फेवरेट शो में आना हमेशा देखने लायक होता है। ऐसे में सोचिए जरा, जब अमिताभ बच्चन 'पंचायत' की दुनिया में शामिल होंगे तो कैसा दिलचस्प माहौल होगा। लोकप्रिय वेब सीरीज द वायरल फीवर के निर्माता ने शो के कलाकारों के साथ बिग बी की कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिससे तुरंत यूजर्स के बीच हलचल मच गई। कई लोगों ने निर्माताओं से छिपी हुई कहानी के बारे में पूछा कि वे बहुप्रतीक्षित सहयोग को कब देखने की उम्मीद कर सकते हैं। हालांकि, बच्चन ने कुछ ही समय में अपने सोशल मीडिया पेजों पर साझा किए गए एक वीडियो के साथ सभी सवालों का जवाब दे दिया।

अगर आप सोच रहे हैं कि 'पंचायत 4' में अमिताभ बच्चन नजर आएंगे तो नहीं, यह पंचायत एपिसोड नहीं है, बल्कि दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने का एक संयुक्त प्रयास है। दिग्गज स्टार ने चंदन रॉय के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जो प्राइम वीडियो सीरीज में विकास शुक्ला की भूमिका निभाते हैं। वीडियो में वह किसी जॉब ऑफर के बारे में एक धोखाधड़ी कॉल लेते हुए दिखाई देते हैं, लेकिन सही समय पर बिग बी फ्रेम में आते हैं और उन्हें साइबर अपराध का शिकार होने से बचाते हैं।

अभियान की बीटीएस तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'देखो, देखो, कौन आया है फुलेरा में। छोटी सी मुलाकात, लेकिन बड़े काम की है बात। वहीं, बात करें सीरीज के अगले सीजन की तो 'पंचायत' के अगले चौथे सीजन का निर्माण अक्तूबर 2024 में शुरू हुआ। तीसरे सीजन के बेहद लोकप्रिय प्रीमियर के बाद अब चौथा सीजन जल्द आने वाला है।

'यह मेरा काम नहीं है : राजपाल यादव

पाकिस्तान से ईमेल के जरिए मौत की धमकी मिलने के कुछ दिनों बाद अभिनेता राजपाल यादव ने एक आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिस और साइबर क्राइम सेल को मेल के बारे में सूचित कर दिया है। एक ऑडियो बयान में राजपाल यादव ने कहा कि वह इस घटना पर बात नहीं करना चाहते हैं और पुलिस अब धमकी भरे ई-मेल की जांच कर रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, 'मैंने साइबर क्राइम विभाग और पुलिस दोनों को सूचित कर दिया है और उसके बाद मैंने किसी से बात नहीं की है। वास्तव में, इस घटना के बारे में बात करना मेरा काम नहीं है, क्योंकि मुझे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है। मैं एक अभिनेता हूं और अभिनय के माध्यम से मैं अपने काम के माध्यम से युवा और बुजुर्ग सभी उम्र के लोगों का मनोरंजन करने की कोशिश करता हूं। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। इस मामले में जो कुछ भी कहने की जरूरत है, एजेंसियां जानकारी देने में सक्षम हैं। मुझे जो जानकारी थी, मैंने साझा कर दी है।'राजपाल यादव की पत्नी की शिकायत के आधार पर अंबोली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। राजपाल यादव को 14 दिसंबर 2024 को धमकी भरा मेल मिला था।

वहीं कॉमेडियन कपिल शर्मा, अभिनेत्री-कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा को भी पाकिस्तान से ई-मेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। भेजने वाले ने बताया कि कपिल उनके निशाने पर इसलिए थे, क्योंकि उनका शो बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान द्वारा प्रायोजित था।

इन कलाकारों ने निभाए विदेशी आक्रमणकारियों के किरदार

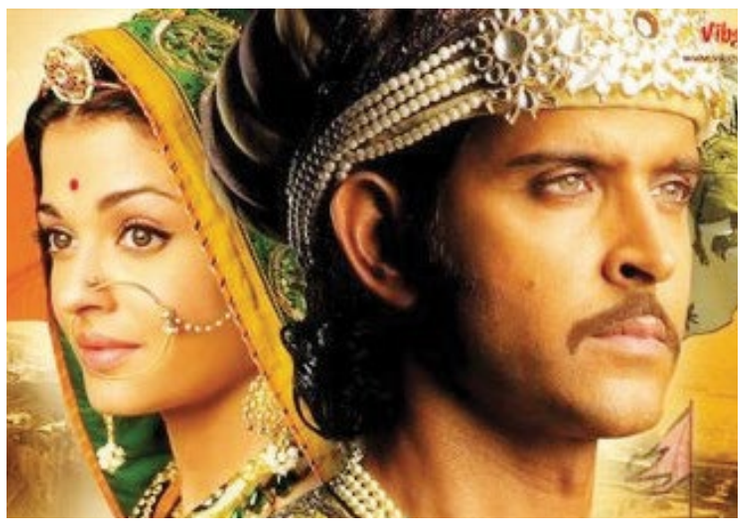

बॉलीवुड की दुनिया में कलाकार अपने नाम के साथ ही अपने अनोखे किरदारों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में फिल्म छावा से अक्षय खन्ना का औरंगजेब का किरदार सामने आया है। फर्स्ट लुक को फैंस ने बहुत पसंद भी किया। अक्षय खन्ना के साथ ही कुछ और बॉलीवुड सितारे भी हैं, जो बड़े पर्दे पर ऐसे ही विदेशी आक्रमणकारियों के किरदार निभा चुके हैं।साल 1960 में आई फिल्म 'मुगल ए आजम' में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर का किरदार निभाया था। फिल्म में सलीम और अनारकली की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। फिल्म में पृथ्वीराज कपूर के अभिनय को लेकर फैंस के बीच आज भी चर्चा होती है।अकबर के बेटे शहजादे सलीम की भूमिका दिलीप कुमार ने 'मुगल ए आजम' में निभाई है। साल 1960 में रिलीज हुई इस फिल्म को के आसिफ ने निर्देशित किया था। फिल्म का बजट 1.5 करोड़ रुपये था।

साल 2008 में आई फिल्म 'जोधा अकबर' में ऋतिक रोशन ने शहंशाह अकबर की भूमिका निभाई। फिल्म में उनके साथ ऐश्वर्या राय ने जोधा बाई का किरदार निभाया था। फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर ने किया। फिल्म में जोधा अकबर की प्रेम कहानी को दिखाया गया है।

साल 2019 में आई फिल्म 'पानीपत' में संजय दत्त ने अहमद शाह अब्दाली की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अर्जुन कपूर ने सदाशिव राव भाऊ और कृति सेनन ने पार्वती बाई की भूमिका निभाई थी।फिल्म 'छावा' में अक्षय खन्ना ने शहंशाह औरंगजेब का किरदार निभाया है। उनके किरदार का पहला लुक सामने आ गया है। फैंस उनके इस लुक को बहुत पसंद कर रहे हैं।

जल्द घोड़ी चढ़ेंगे देव जोशी

'बालवीर' फेम एक्टर देव जोशी के फैन्स के लिए एक खुशखबरी है. एक्टर ने अपनी गर्लफ्रेंड आरती के साथ सगाई कर ली है. उन्होंने अपनी मंगेतर के साथ कुछ फोटोज भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. फोटोज में एक्टर ने अपनी मंगेतर का चेहरा दुनिया को दिखाया है और बताया है कि वो उनकी लाइफ पार्टनर हैं. देव की फोटोज पर फैन्स उनको बधाई दे रहे हैं और नई जिंदगी की अच्छी शुरुआत के लिए प्रार्थना भी कर रहे हैं. देव जोशी ने एक वीडियो शेयर कर इंगेजमेंट की अनाउंसमेंट की है. वीडियो में सिर्फ दो हाथ नजर आ रहे हैं और इसमें वो दोनों अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं. कैप्शन में लिखा है, "और हमने हमेशा साथ रहने का फैसला कर लिया है. जिंदगी भर के लिए प्यार, हंसी और खूबसूरत यादें साथ हैं." दोनों के हाथ के पीछे भगवान गणेश की प्रतिमा नजर आ रही है. इसे देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि दोनों ने मंदिर में सगाई की है.बाद में देव जोशी ने अपनी मंगेतर के साथ कुछ फोटोज भी शेयर कीं. इन फोटोज में दोनों खुलकर मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं. दोनों के माथे पर टीका है, गले में लाल शॉल और रुद्राक्ष की माला नजर आ रही. देव की ये फोटो नेपाल के पालपा स्थित कामाख्या मंदिर की है. दोनों साथ में बहुत प्यारे लग रहे हैं. इसके कैप्शन में लिखा है, "एक साथ, प्यार, विश्वास और जिंदगी." बालवीर के फैन्स इस फोटो पर खूब कमेंट कर रहे हैं और कपल पर प्यार बरसा रहे हैं. दोनों का सादगी भरा अंदाज लोगों को बहुत पसंद आ रहा है.देव जोशी के करियर की बात करें तो उन्होंने शो 'लकी' से अपने करियर की शुरुआत की थी. हालांकि इसके बाद वो कई छोटे-छोटे रोल्स में नजर आए थे. इसके अलावा देव को 'हमारी देवरानी', 'देवों के देव महादेव', 'महिमा शनि देव की', 'काशी-अब न रहे तेरा कर्ज कोरा' जैसे टीवी शोज में भी दिखे थे. लेकिन देव को पहचान 'बालवीर' के जरिए मिली.

भाग्यश्री पहुंचीं महाकुंभ

पूरे भारत में इस समय महाकुंभ 2025 की धूम है. देश के हर कोने से श्रद्धालु संगम तट पर स्नान करने पहुंच रहे हैं. बड़े नेता से लेकर बॉलीवुड के सेलेब्रिटी भी प्रयागराज में जाकर डुबकी लगा रहे हैं. इसी बीच एक्ट्रेस भाग्यश्री भी अपने परिवार संग महाकुंभ पहुंचीं. महाकुंभ में भाग लेने पहुंची भाग्यश्री ने मीडिया से खुलकर बातचीत भी की. एक्ट्रेस से कुंभ मेले की व्यवस्था और प्रबंधों के बारे में सवाल किए गए जिसका उन्होंने जवाब भी दिया. उन्होंने कहा- बहुत अच्छा लग रहा है. हम अभी ऋषिकेश भी होकर आए हैं. मैं यहां प्रयागराज में कुछ साल पहले भी आई थी और तब कुंभ मेला खत्म ही हुआ था. लेकिन अब आज यहां का माहौल काफी अद्भुत है. हम मेले में भी घूमे. वहां अलग-अलग शिविरों में गए जहां बहुत सारे साधु संतों से भी हम मिले, उनका आशीर्वाद लिया. अब सुबह स्नान करने की इच्छा है. हम देखते हैं वहां कैसा माहौल बनता है.भाग्यश्री ने आगे कहा, 'हमारा पूरा परिवार कुंभ आया है. मुझे लगता है कि भगवान का बुलावा आया है क्योंकि बहुत मुश्किल होता है. बच्चे अब बड़े हो गए हैं तो सभी अपने काम में व्यस्त रहते हैं. सभी की टाइमिंग का एक साथ बैठ पाना और सबका साथ में कुंभ आना, दर्शन करना मुश्किल था मगर संभव हो गया. मुझे यही लगता है कि संगम का बुलावा आया है इसलिए हम यहां आ पाए. फिलहाल हम कुंभ गांव में हैं, बहुत अच्छे टेंट हैं. मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि इतनी अच्छी व्यवस्था की गई है. सरकार ने इतने काम किए हैं, शौचालय, ट्रैफिक व्यवस्था जैसी सुविधाएं सही ढंग से की गई हैं. ये सारा इतने बड़े स्केल पर व्यवस्था सिर्फ इंडिया में ही हो सकती है.'

500 करोड़ी फिल्म, 7 साल बाद फिर दे रही है दस्तक

संजय लीला भंसाली की फिल्में थिएटर्स में चलें या न चलें, लेकिन उन फिल्मों की एक खास बात होती है उनकी रॉयल्टी, आलीशान सेट, भारी-भरकम कॉस्ट्यूम्स, जिनको देखने के बाद लगता है कि हां इस पर करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं. आज से करीब सात साल पहले 2018 में भंसाली ने फिल्म बनाई थी 'पद्मावत'. उस वक्त फिल्म की काफी चर्चा थी और इस पर बवाल भी जमकर हुआ था. इन सबके बावजूद 'पद्मावत' ने थिएटर्स में अच्छी कमाई की थी, क्योंकि कई लोग तो फिल्म सिर्फ ये देखने के उद्देश्य से आए थे कि आखिर बवाल की वजह क्या है. खैर जो भी हो फिल्म पसंद की गई और कमाई भी बढ़िया हुई थी. अब खबर आ रही है कि 'पद्मावत' को थिएटर्स में फिर से रिलीज किया जा रहा है. फिल्म की रिलीज को सात साल पूरे होने जा रहे हैं.

राम गोपाल वर्मा को तीन महीने की सजा

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्ममेकर और निर्देशक राम गोपाल वर्मा इन दिनों अपनी फिल्म सत्या की री-रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं. हालांकि, अब उनके लिए एक सात साल पुराना मामला मुसीबत बन गया है. राम गोपाल वर्मा को तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई है. फिल्ममेकर को 2018 के एक फिल्म के चेक बाउंस मामले में ये सजा सुनाई गई है. आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला.अपने विवादों से भरे बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले राम रोपाल वर्मा पर साल 2018 में 'श्री' नाम की कंपनी ने केस दर्ज करवाया था. 21 जनवरी को फिल्ममेकर को अदालत में सुनवाई के लिए बुलाया गया था लेकिन वो सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश नहीं हुए. कोर्ट ने मुआवजे के तौर पर 3.72 लाख रुपये देने का भी निर्देश दिया है. अदालत ने उन पर नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत आरोप लगाया है. कोर्ट का ये फैसला उनकी नई फिल्म 'सिंडिकेट' की घोषणा से एक दिन पहले आया है. इस मामले की सुनवाई पिछले सात साल से हो रही थी. अंधेरी मेजिस्ट्रेट कोर्ट ने राम गोपाल वर्मा के खिलाफ गैर जमानती वॉरेंट जारी किया है. कोर्ट ने कहा कि "फैसले के दिन आरोपी की अनुपस्थिति में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जाना चाहिए और उसे संबंधित पुलिस स्टेशन से गिरफ्तार किया जाना चाहिए". इसके अलावा उन्हें शिकायतकर्ता को तीन महीने के अंदर तीन लाख 72 हजार रुपये भी मुआवजे के तौर पर देने होंगे.

कपिल शर्मा को मिली जान से मारने की धमकी

कॉमेडियन कपिल शर्मा को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है. रिपोर्ट्स की मानें तो कपिल को जान से मारने की धमकी मिली है. कपिल से पहले एक्टर राजपाल यादव, कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा और कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा को भी ऐसे धमकी भरे ईमेल्स मिले थे.

जिस शख्स ने कपिल शर्मा को धमकी भरा ईमेल भेजा है, उसने कॉमेडियन के साथ उनके रिश्तेदार, परिवार के लोग, जानने वाले, साथ काम करने वाले लोग और पड़ोसियों को भी जान से मारने की धमकी दी है. मुंबई स्थित अंबोली पुलिस ने सेक्शन 351(3) के तहत केस फाइल किया है. मामला दर्ज होते ही पुलिस जांच में जुट गई है. हालांकि, कपिल या उनके परिवार से अबतक इसपर कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है. न ही खबर की पुष्टि की गई है. बस इतना कहा जा रहा है कि ईमेल का एड्रेस पाकिस्तान का है.ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, जब सेलेब्स को धमकी भरे ईमेल्स मिल रहे हों. बीते साल सलमान खान और एपी ढिल्लों को भी धमकी भरे ईमेल्स मिले थे. सलमान खान के घर के बाहर तो फायरिंग भी हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने ली थी. हालांकि, सलमान को बाद में सिक्योरिटी मिली और बुलेट प्रूफ गाड़ी भी उन्होंने खरीदी. साथ ही घर की बालकनी भी सलमान ने सिक्योर करवाई. बात करें कपिल शर्मा के व्रकफ्रंट की तो कुछ समय पहले ही कॉमेडियन का शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' नेटफ्लिक्स पर खत्म हुआ है. शो का दूसरा सीजन सक्सेसफुल रहा.

विकेट पर विकेट, ताश के पत्तों की तरह बिखरी श्रीलंका

भारत अंडर-19 विमेंस वर्ल्डकप के सुपर-6 में

नई दिल्ली.

भारतीय महिला टीम ने मलेशिया में चल रहे अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-6 राउंड में प्रवेश कर लिया है। भारतीय टीम ने ग्रुप-ए के मुकाबले में श्रीलंका को 60 रनों से हराया। कुआलालंपुर में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। यहां भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 118 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 9 विकेट पर 58 रन ही बना सकी। भारतीय बैटर गोंगाडी तृषा (49 रन) प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। दिन के एक अन्य मुकाबले में वेस्टइंडीज ने मेजबान मलेशिया को 53 रन से हराया। भारत ग्रुप-ए में 6 पॉइंट के साथ टॉप पर है।

वेस्टइंडीज ने मलेशिया को 59 रन पर समेटा मलेशिया ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 112 रन बनाई।

वहीं, 113 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मलेशिया की टीम 18 ओवर में 59 रनों पर ऑलआउट हो गई और वेस्टइंडीज ग्रुप ए में अपने सभी मैच खेलने के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गई। मलेशिया इस हार के बाद ग्रुप में सबसे नीचे स्थान पर है।

असाबी कैलेंडर रहीं वेस्टइंडीज की टॉप स्कोरर वेस्टइंडीज के लिए ओपनर असाबी कैलेंडर ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 42 गेंदों का सामना कर 4 चौकों की मदद से 30 रन बनाए। उनके अलावा जहजारा क्लैक्सटन ने 19 और अबीगैल ब्राइस ने 14 रन बनाए। मलेशिया के लिए सिटी नज्वा और नूर इज्जतुल स्याफिका ने दो-दो विकेट लिए। मलेशिया के लिए कप्तान नूर ने सबसे ज्यादा 12 रन बनाए 113 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मलेशिया की ओर से कप्तान नूर दानिया स्यूहादा ने सबसे ज्यादा 12 रन बनाए। उन्होंने 17 गेंदों का सामना किया और 2 चौके भी जड़े। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान सामरा रामनाथ ने 4 विकेट लिए वेस्टइंडीज की जीत में अहम रोल गेंदबाजों का रहा। 113 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मलेशिया को 59 रन पर ही रोक दिया। सामरा रामनाथ ने 4 ओवर में 6 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं नाइजैनी कम्बरबैच और एरिन डीन ने 2-2 विकेट लिए।

टीम इंडिया की जीत की स्टार गोंगाडी तृषा रही, जिन्होंने 49 रनों की पारी खेली. इस खिलाड़ी ने 5 चौके और एक छक्का लगाया. उनकी इस पारी की बदौलत ही टीम इंडिया किसी तरह 118 रनों तक पहुंची. तृषा के अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रनों तक भी नहीं पहुंच पाईं. श्रीलंका के लिए लिमांसा तिलकरत्ने और प्रमुदी मेथासारा ने 2-2 विकेट हासिल किए.

भारत के शेर रणजी में हुए ढेर

दहाई का आंकड़ा भी नहीं हुआ पार

मुंबई.

रणजी ट्रॉफी में भारतीय टीम के कई स्टार खिलाड़ी मैदान पर उतरे थे. इसमें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, जायसवाल समेत कई बड़े नाम शामिल थे. घरेलू क्रिकेट में अपने चहेते स्टार को उतरता देख फैंस ने उम्मीद लगाई थी कि उन्हें इनसे बड़ी पारी देखने को मिलेगी. हालांकि ऐसा नहीं हुआ और देखते ही देखते सभी स्टार खिलाड़ी रणजी में बुरी तरह फेल हुए.भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा सालों बाद रणजी ट्रॉफी में उतरे थे. हिटमैन पिछले कुछ समय से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं. ऐसे में सबको उम्मीद थी कि रणजी ट्रॉफी से रोहित अपनी लय वापस पा लेंगे. हालांकि ऐसा नहीं हुआ और वह अपने रणजी कमबैक पर बुरी तरह फ्लॉप रहे. जम्मू कश्मीर के खिलाफ मैच में उतरे रोहित सिर्फ 3 रन बनाकर युवा तेज गेंदबाज उमर का शिकार बने. रोहित की तरह उनके सलामी साझीदार यशस्वी जायसवाल का भी हाल रहा. जायसवाल भी रणजी ट्रॉफी मैच में बुरी तरह फ्लॉप साबित हुए. जम्मू के सामने उनका बल्ला भी नहीं चल सका और वह 8 गेंद पर 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे. भारतीय टीम के प्रिंस माने जाने वाले युवा बल्लेबाज शुभमन गिल पंजाब के लिए मैदान पर उतरे थे. गिल भी रणजी में फ्लॉप साबित हुए और 8 गेंद पर सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए.ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए आकर्षक बल्लेबाज करने वाले ऋषभ पंत का बल्ला रणजी में नहीं चल सका. पंत रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में सिर्फ 1 रन बनाकर पवेलियन लौटे.

मुंबई के स्टार खिलाड़ी श्रेयस अय्यर भी बल्ले से खुछ खास कमाल नहीं कर पाए. श्रेयस अय्यर का बल्ला भी मैच में नहीं चला और वह 7 गेंद पर 10 रन की छोटी पारी खेल कर आउट हुए.

ऑक्सीजन खत्म, आवाज चली गई

नई दिल्ली.

आम तौर पर कोई भी क्रिकेटर अपने रिकॉर्ड्स, ट्रॉफी या बेहतरीन पारियों के लिए जाने जाते हैं. लेकिन एक ऐसा भी क्रिकेटर है, जो अपने क्रिकेट के करियर से ज्यादा दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए मशहूर है. हम बात कर रहे हैं न्यूजीलैंड के क्रिकेटर एडम परोरे की. वो एवरेस्ट पर चढ़ने वाले इकलौते इंटरनेशनल क्रिकेटर हैं. उन्होंने ये कारनामा 2011 में 40 साल की उम्र में किया था और इसके लिए अपनी जान की बाजी तक लगा दी थी.

एडम परोरे ने 23 जनवरी कोअपना 54वां जन्मदिन मनाया. लेकिन उन्होंने एवरेस्ट पर चढ़ने का अनोखा कारनामा 40 साल की उम्र में 22 मई 2011 को किया था. उन्होंने इसके लिए अपनी जान की बाजी तक लगा दी थी. परोरे ने एक इंटरव्यू खुलासा किया था कि जब वो माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ रहे थे, तब बीच में ही उनका ऑक्सीजन खत्म हो गया था. इससे उन्हें सांस लेने में समस्या होने लगी और नौबत मौत तक आ गई थी. इसके बाद परोरे के साथ गए शेरपा ने मदद की और उनकी जान बचाई. चोटी पर पहुंचने के बाद उन्होंने करीब 20 मिनट का समय बिताया था. लेकिन समस्या अभी खत्म नहीं हुई थी. नीचे उतरते वक्त उनकी तबीयत बुरी बिगड़ गई. इससे एडम परोरे के मुंह से आवाज तक आनी बंद हो गई थी. हालांकि, वो किसी तरह शेरपाओं की मदद से नीचे आ गए थे.

एडम परोरे ने न्यूजीलैंड के लिए 1990 में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था. वो कीवी टीम के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर खेलते थे. उन्होंने अपने करियर में 78 टेस्ट में 26.28 की औसत 2865 रन, 179 वनडे में 25.68 की औसत से 3314 रन बनाए थे. वहीं विकेटकीपर के तौर पर उन्होंने 204 शिकार किए थे. परोरे ने साल 12 साल खेलने के बाद 2002 में 31 साल की उम्र में क्रिकेट को अलविदा कह दिया था.

एडम जाम्पा शारजाह वारियर्स से जुड़े

पहले इस वजह से छोड़ दी थी लीग

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर और दाएं हाथ के बल्लेबाज एडम जम्पा डीपी वर्ल्ड आईएल टी-20 के तीसरे सत्र के शेष भाग में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलेंगे। उन्हें श्रीलंकाई विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह टीम में शामिल किया गया है।

एडम जम्पा ने शारजाह वॉरियर्स के साथ जुड़ने को लेकर कहा, "मैं यूएई लौटकर और डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के तीसरे सत्र के लिए शारजाह वॉरियर्स में शामिल होकर बहुत खुश हूं। वॉरियर्स टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ फ्रेंचाइजी में से एक है और मैं आदिल राशिद, टिम साउथी और जेपी डुमिनी जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टूर्नामेंट के दूसरे भाग में अपने प्रशंसकों के लिए कुछ शानदार प्रदर्शन करेंगे।"

शारजाह वारियर्स के कोच जेपी डुमिनी ने कहा, "एडम जम्पा एक शानदार गेंदबाज हैं और एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें हर टीम अपने साथ रखना चाहेगी। हम उन्हें अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं और हमें

भरोसा है कि वह इस सत्र में टूर्नामेंट में हमारी प्रगति के लिए महत्वपूर्ण होंगे। वह इस

प्रारूप के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक हैं और हमें विश्वास है कि वह यूएई में शारजाह वारियर्स के लिए ठोस प्रभाव डाल सकते हैं, एक ऐसा देश जिसके साथ उनकी क्रिकेट की सुखद यादें जुड़ी हैं।"शारजाह वारियर्स के सीओओ क्षेमल वैनगंकर ने कहा, "शरजाह वारियर्स को आईएलटी 20 के तीसरे सीजन के लिए एडम जम्पा के टीम में शामिल होने पर बहुत खुशी है। उनका कभी हार न मानने वाला रवैया हमेशा किसी भी टीम का हौसला बढ़ाता है और वारियर्स को निश्चित रूप से उनकी लड़ाई की भावना से कोई ऐतराज नहीं होगा। हम एडम जम्पा को विपक्षी बल्लेबाजों के लिए हर तरह की परेशानी खड़ी करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।"2021 में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप जीत में जम्पा की अहम भूमिका रही थी, 7 मैचों में 5.81 की इकॉनमी से 13 विकेट लेकर वे विकेट चार्ट में दूसरे स्थान पर रहे और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5-19 रहा, जो पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी था।

मैनचेस्टर सिटी चैंपियंस लीग से बाहर होने के कगार पर

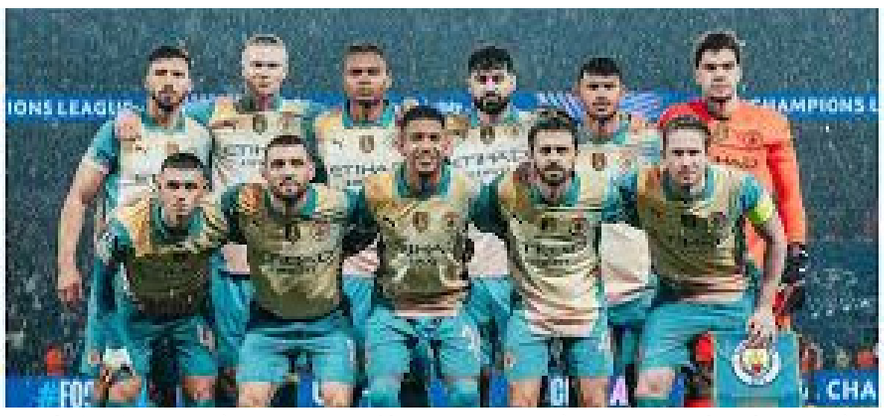

नई दिल्ली. यूएफा चैंपियंस लीग में उस वक्त फैंस हैरान रह गए जब बुधवार को मैनचेस्टर सिटी को पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पीएसजी से मिली करारी हार के बाद सिटी चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंच गया है। वहीं, रियाल मैड्रिड पर साल्ज़बर्ग को हराने के बाद अब ऐसा कोई खतरा नहीं है। पीएसजी ने पेरिस में खेले गए मैच में मैनचेस्टर सिटी को 4-2 से पराजित किया। इस जीत के बावजूद पीएसजी पर बाहर होने का खतरा बना हुआ है। इस टूर्नामेंट में 36 टीम भाग ले रही हैं जिनमें से 24 टीम ही अगले दौर में प्रवेश करेंगी। मैनचेस्टर सिटी अभी 25वें जबकि पीएसजी 22वें स्थान पर है। मैनचेस्टर सिटी को नॉकआउट प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपने अगले मैच में क्लब ब्रुग को हर हाल में हराना होगा। पीएसजी को भी अगले दौर के मैच में 24वें स्थान पर काबिज स्टटगार्ट पर जीत हासिल करने की जरूरत पड़ेगी। इस बीच पिछले सत्र में रिकॉर्ड 15वां यूरोपीय खिताब जीतने वाले रियाल मैड्रिड ने नॉकआउट चरण में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। बुधवार को खेले गए मैच से पहले रियाल मैड्रिड 22वें स्थान पर था लेकिन साल्ज़बर्ग को 5-1 से हराकर वह 16वें स्थान पर पहुंच गया। आर्सेनल और इंटर मिलन अपने-अपने मैच जीतकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। लिवरपूल और बार्सिलोना पहले दो स्थान पर काबिज हैं। आर्सेनल ने डिनामो ज़ाग्रेब को 3-0 से और इंटर ने स्पार्टा प्राग को 1-0 हराया।

भोंसला पब्लिक स्कूल नंदनवन की शानदार जीत

चक्रासन स्पर्धा में अव्वल क्रमांक का ख़िताब

नागपुर.

त्रिमूर्ती नगर में आयोजित चक्रासन स्पोर्ट्स असोसिएशन द्वारा आयोजित चक्रासन स्पर्धा में विभिन्न स्कूलों से 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भोंसला पब्लिक स्कूल नंदनवन ने अपनी शानदार प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। स्कूल के विद्यार्थियों ने कुल 13 मेडल जीते, जिनमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 8 ब्रांझ मेडल शामिल हैं। इसके साथ ही, भोंसला पब्लिक स्कूल ने चैंपियनशिप ट्रॉपी भी जीती, जो उनके शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है।

प्रतियोगिता के दौरान भोंसला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया और कई कठिन मुकाबलों में जीत हासिल की। इस जीत का श्रेय विद्यार्थियों ने अपनी स्कूल की प्राचार्य अनुराधा खेताल, गीता दुबे, शारीरिक शिक्षिका साक्षी शेंडे और शारीरिक शिक्षक चंद्रकांत तारेकर के मार्गदर्शन को दिया।

भोंसला पब्लिक स्कूल के इस शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि उनकी शिक्षा और प्रशिक्षण में सर्वोत्तम है, और इस सफलता के बाद स्कूल का नाम और भी रोशन हुआ है। यह जीत न केवल विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि उनके गुरुजनों के अथक प्रयासों का भी परिणाम है, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया और उन्हें इस तरह के प्रतिस्पर्धी मंच पर सफलता की ओर मार्गदर्शन किया।

विजयी विद्यार्थी के नामः

्पण ने उन्हें चक्रासन प्रतियोगिता में विजेता बना दिया। उनके नामों में प्रमुख हैं [विजेताओं के नाम]

1) दक्ष भेलावे गोल्ड मेडल ओर चैम्पियनशिप ट्रॉफी 2) रेयांश पौलजगडे गोल्ड मेडल 3) शीखर दुबे गोल्ड मेडल 4) अर्णव कुंभारे सिल्वर मेडल 5) आरुष गुरव सिल्वर मेडल 6) श्रेयांश पराते ब्राँझ मेडल 7) ओजस भास्मे ब्राँझ मेडल 8) मितांश चंद्रिकापुरे ब्राँझ मेडल 9) सोनाक्षी धनविजय 4th ब्राँझ मेडल 10) आर्यन गुरधे 4th ब्राँझ मेडल11) अधीरा गुरव 4th ब्राँझ मेडल 12) नंदिनी भाडगरे 4th ब्राँझ मेडल13) प्रियंका नेरकर 4th ब्राँझ मेडल.

सिद्धू ने गुल्ली-डंडे के साथ लगाए शॉट

नई दिल्ली. पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू इन दिनों सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए हुए हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनकी सक्रियता नहीं दिख रही, लेकिन इसके बावजूद सिद्धू किसी न किसी वजह से चर्चाओं में बने रहते हैं।नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने एक्स अकाउंट पर दो वीडियो डाली हैं, जिसमें वह गुल्ली डंडा खेलते नजर आ रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू भी मौजूद हैं। सिद्धू का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सिद्धू डंडे से लंबे-लंबे शाट मारते दिख रहे हैं और जमकर ठहाके भी लगा रहे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि अपने बचपन को वह फिर से जी रहे हैं।

गुकेश फीडे रैंकिंग में चौथे नंबर पर

नई दिल्ली.

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने अपने नाम पर नित नई उपलब्धियां दर्ज करने का क्रम जारी रखा है और वह गुरुवार को फिडे (विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था) की ताजा रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचकर अर्जुन एरिगैसी की जगह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए। गुकेश ने अपनी समझबूझ और तकनीकी खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर अपने अंकों की संख्या 3.5 अंक तक पहुंचा दी। उन्होंने इस प्रतियोगिता में अपनी दूसरी जीत भी दर्ज की।

हाल में भारत के सर्वोच्च खेल पुरस्कार ध्यान चंद खेल रत्न को प्राप्त करने वाले गुकेश के अब 2784 रेटिंग अंक हो गए हैं, जबकि पिछले कुछ समय से भारत के नंबर एक खिलाड़ी रहे एरिगैसी 2779.5 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन 2832.5 अंकों के साथ निर्विवाद रूप से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। उनके बाद अमेरिका के दो खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा (2802) और फैबियानो कारुआना (2798) का नंबर आता है। गुकेश ने पिछले साल दिसंबर में सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व खिताब जीता था। एरिगैसी पिछले साल सितंबर में भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने इसके बाद दिसंबर में अपनी सर्वोच्च रेटिंग 2801 हासिल की थी। वह 2800 या इससे अधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले दुनिया के 15वें और विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं।

टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में अभी आठ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी है। गुकेश दो जीत और तीन ड्रॉ के साथ हमवतन आर प्रज्ञानंद और उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से पीछे संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानंद ने नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम के साथ ड्रॉ खेला, जबकि अब्दुसात्तोरोव ने एक अन्य स्थानीय खिलाड़ी जोर्डन वान फॉरेस्ट को हराया।

पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन करेंगे भारतीय टीम का नेतृत्व

नई दिल्ली.

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन 11-16 फरवरी तक चीन के किंगदाओ में खेली जाने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में 14 सदस्यीय मजबूत भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत ने 2023 में दुबई में आयोजित चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीता था और अपने नवीनतम प्रदर्शन में रंग बदलने की उम्मीद करेगा। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने टीम का चयन करते समय खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग और मौजूदा फॉर्म को महत्व दिया है। टीम में क्रमशः दूसरे पुरुष और

महिला एकल खिलाड़ी के रूप में एचएस प्रणय और मालविका बंसोड़ शामिल होंगे।

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, "बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप एक प्रतिष्ठित आयोजन है, जहां टीमों की गहराई और गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। हमने दो साल पहले कांस्य पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल हमारा लक्ष्य फाइनल में पहुंचना है और फिर कुछ भी संभव है, और हम पूरी ताकत लगाएंगे।"

भारत के पास युगल में भी एक मजबूत टीम है, जिसमें पूर्व विश्व नंबर 1 सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पुरुष युगल की अगुआई करेगी, जबकि महिला युगल की जिम्मेदारी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली या ओलंपियन अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रैस्टो की युवा जोड़ी संभालेगी। तनिषा पर ध्रुव कपिला के साथ मिश्रित युगल खेलने की भी जिम्मेदारी होगी, जबकि सतीश कुमार के और आद्या

रक्षा कवच थीम पर आधारित होगी डीआरडीओ की झांकी

> दिखेगी आधुनिक हथियारों की झलक

नई दिल्ली.

गणतंत्र दिवस परेड को लेकर तैयारियां चल रही हैं। परेड में डीआरडीओ रक्षा कवच थीम पर आधारित झांकी का प्रदर्शन करेगा। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर किए गए काम और नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस झांकी में जहां हॉवित्जर तोप की झलक दिखेगी, तो देश के दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए तैयार किए गए लेजर हथियार भी नजर आएंगे। डीआरडीओ ने झांकी की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में डीआरडीओ की रक्षा कवच थीम पर आधारित झांकी में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम, कैल एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम, ड्रोन का पता लगाने, रोकने और नष्ट करने वाले सिस्टम, सैटेलाइट

आधारित निगरानी प्रणाली, मध्यम शक्ति का रडार अरुधरा, हल्के वजन वाले टारपीडो, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली वाला धर्मशक्ति, लेजर आधारित ऊर्जा हथियार और कम दूरी वाली वायु रक्षा प्रणाली, स्वदेशी सुरक्षित सैटेलाइट फोन और असॉल्ट राइफल होगी।

इसके अलावा झांकी में पोस्टरों के जरिये लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी शिप मिसाइल, लाइट वेट बुलेट प्रूफ जैकेट अभेड, दिव्यास्त्र, जोरावर लाइट टैंक, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो सिस्टम की भी तस्वीरें होंगी। झांकी में डीआरडीओ प्रलय हथियार प्रणाली के उपकरण भी प्रदर्शित करेगा। परेड के दौरान विभिन्न सशस्त्र बलों की टुकड़ियां डीआरडीओ के नागा मिसाइल सिस्टम, पिनाका, ब्रह्मोस, शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम और आकाश हथियार प्रणाली का भी प्रदर्शन करेंगीं।

विकास और विरासत थीम पर होगी परेड

इस बार 26 जनवरी परेड की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास और विरासत है।' इस खास समारोह का साक्षी देश-विदेश से आए लोग बनेंगे। परेड में भारतीय सेना अपनी स्वदेशी और आधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन करेगी। इसमें आपको नाग मिसाइल सिस्टम, टी-90 भीष्म टैंक, सारथ टैंक, ब्रह्मोस मोबाइल लॉन्चर, चेतक ऑल टेरेन व्हीकल, बजरंग लाइट स्पेशलिस्ट वाहन, अग्निबाण मल्टीबैरल रॉकेट लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक हथियार और वाहन दिखाए जाएंगे।

दूतावास में हमले पर जवाबदेही की है उम्मीद : जयशंकर

वाशिंगटन. अमेरिका के वाशिंगटन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश के मुद्दे पर नवनियुक्त अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज के साथ चर्चा की. उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में मौजूदा हालात और वहां पर भारतीयों की स्थिति को लेकर भी संक्षिप्त चर्चा हुई. भारतीय पत्रकारों के समूह की ओर से सवाल पूछने पर जवाब दिया.

उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इससे जुड़े मसले पर ज्यादा डीटेल्स में बात करना सही होगा. एस जयशंकर ने बताया कि रुबियो और वाल्ट्ज के साथ उनकी बैठकों के दौरान बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यकों के साथ हुए बर्ताव पर भी बातचीत की गई. हालांकि, जयशंकर ने कहा कि अमेरिका में भारतीय वाणिज्य दूतावासों पर हमलों यहां भारतीय राजनयिकों को खतरे पर कोई चर्चा नहीं हुई. उन्होंने कहा कि मैंने इस मौके पर इन मुद्दों से जुड़ी कोई बात नहीं की. लेकिन सैन फ्रांसिस्को में हमारे वाणिज्य दूतावास पर हमले का होना बहुत ही गंभीर मामला है. उन्होंने कहा कि सैन फ्रांसिस्को से जुड़े मुद्दे पर हम उनसे जवाबदेही की उम्मीद करते हैं. हम यह देखना चाहेंगे कि जिन लोगों ने इसे अंजाम दिया है, उन्हें दोषी ठहराया जाए. वहीं एक सवाल में एस जयशंकर से सवाल पूछा गया कि पिछले दो सालों में अमेरिकी अदालतों में दो मामले सामने आए हैं. इनमें एक पूर्व भारतीय अधिकारी के खिलाफ और दूसरा एक भारतीय कारोबारी के खिलाफ, क्या इसको लेकर कोई चर्चा हुई है? एस जयशंकर ने कहा कि नहीं इन विषयों को लेकर बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई.

सद्भाव और एकता का सशक्त संदेश देता है महाकुंभ : शाह

प्रयागराज.

महाकुंभ 2025 का आयोजन 13 जनवरी से प्रारंभ हो चुका है। इस आयोजन में देश-विदेश से साधु-संत और श्रद्धालु पवित्र नदी में स्नान के लिए एकत्र हो रहे हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस आध्यात्मिक आयोजन की सराहना की है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी अन्य आयोजन महाकुंभ से अधिक सद्भाव और एकता का संदेश नहीं देता है। इस दौरान शाह ने पुष्टि की कि वह 27 जनवरी को गंगा में पवित्र डुबकी लगाने के लिए महाकुंभ में आएंगे।

वे गुजरात विश्वविद्यालय के मैदान में हिंदू आध्यात्मिक और सेवा मेले का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। यहां बोलते हुए उन्होंने कहा कि जिस पैमाने पर प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया गया है, उसे देखकर दुनिया भर के लोग आश्चर्यचकित हैं। इतना ही नहीं विभिन्न देशों के राजदूतों ने उनसे 'निमंत्रण कार्ड' के लिए अनुरोध किया। इस पर शाह ने कहा कि मैंने उन्हें बताया कि इसके लिए कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं है, क्योंकि करोड़ों लोग ग्रहों की स्थिति के अनुसार एक विशिष्ट समय पर इकट्ठे होते हैं और गंगा में डुबकी लगाते हैं। शाह ने कहा कि मेरे बताने पर वे लोग भरोसा नहीं कर रहे कि 40 करोड़ लोग बिना किसी निमंत्रण के एक जगह इकट्ठा होते हैं। आगे बोलते हुए शाह ने मोदी सरकार के कार्यकाल की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि दस वर्षों में स्थिति बदल गई है। अब, हमारी विचारधारा के अनुसार लगभग सभी लंबित कार्य पूरे हो चुके हैं, चाहे वह जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना हो, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो, तीन तलाक को खत्म करना या यूसीसी का कार्यान्वयन हो। अब भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल में भी इसी रास्ते पर आगे बढ़ेगी।

फ्रांसिस जॉर्ज ने किया वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन

> मौजूदा कानून को बताया क्रूर

नई दिल्ली.

केरल के एक यूडीएफ सांसद ने कहा है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की तरफ से संसद में पेश किए जाने वाले वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का समर्थन करेंगे। केरल कांग्रेस (जोसेफ) पार्टी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में इसके एकमात्र सदस्य फ्रांसिस जॉर्ज ने कहा है कि एक जनप्रतिनिधि और एक राजनीतिक दल के प्रतिनिधि के रूप में वह नए विधेयक का समर्थन करेंगे। केरल कांग्रेस (जोसेफ) केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ की एक प्रमुख सहयोगी है।

सांसद फ्रांसिस जॉर्ज ने हाल ही में कोच्चि के पास मुनंबम में आयोजित 24 घंटे के दिन-रात के विरोध प्रदर्शन के समापन पर बोलते हुए अपना रुख

स्पष्ट किया। यह प्रदर्शन वहां के लोगों की तरफ से वक्फ बोर्ड की तरफ से दावा की गई भूमि पर अपने राजस्व अधिकारों को फिर से हासिल करने के लिए की जा रही रिले भूख हड़ताल का हिस्सा था। उन्होंने मौजूदा वक्फ कानून को एक 'कठोर कानून' बताया जिसे लोकतांत्रिक देश में कोई भी स्वीकार नहीं कर सकता। सांसद फ्रांसिस जॉर्ज ने कानून के कई खंडों का हवाला देते हुए कहा, 'इसलिए, इस कानून को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। इसमें बदलाव की जरूरत है।

यमुना में स्नान कर सकते हैं केजरीवाल

नई दिल्ली.

सियासी रण में सीएम योगी की एंट्री हो चुकी है. गुरुवार को उन्होंने करोल बाग विधानसभा क्षेत्र के किराड़ी में जनसभा की. सीएम योगी ने कहा, अगर एक सीएम के रूप में मैं और मेरी सरकार के मंत्री संगम में स्नान कर सकते हैं तो केजरीवाल और उनके मंत्री क्या यमुना में स्नान कर सकते हैं. इन्होंने यमुना को गंदे नाले में बदलने का काम किया है. जनता की अदालत में उन्हें इसकी माफी नहीं मिलनी चाहिए. आज जब हम दिल्ली की हालत देख रहे हैं,दिल्ली में सड़क और पानी की क्या स्थिति है?

सीएम योगी ने कहा, याद करिए आज से एक दशक पहले तक लोग याद करते थे, सुविधाओं के लिए दिल्ली आते थे. मेट्रो का मॉडल जो

अटल जी ने शुरू किया था, उसे देखने लोग दिल्ली आते थे. सड़कों की बात होती थी तो लोग दिल्ली आते थे. आज क्या स्थिति है, सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है कुछ पता ही नहीं चल रहा है. हमने ये खिलवाड़ करने की छूट एक गिरोह को क्यों दे दी है. दिल्ली में कूड़े का ढेर पड़ा है. देश की राजधानी की दुर्गित हो रही है. वाहन सीवर के पानी से गुजर रहे हैं. हमारे वाहनों को भी गुजरना पड़ा. आम आदमी पार्टी ने यमुना को गंदा करने का पाप किया है. यमुना की स्वच्छता पर ये लोग सहयोग नहीं करना चाहते.

क्या सरकार बदलेगी महंगाई भत्ते की गणना का कैलकुलेटर

> 3 महीने में तय हो डीए/डीआर

नई दिल्ली.

केंद्रीय बजट से पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों ने कैबिनेट सचिव के समक्ष एक नई मांग रखी है। कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने कैबिनेट सचिव को भेजे अपने पत्र में महंगाई भत्ता/महंगाई राहत यानी 'डीए/डीआर' की गणना का कैलकुलेटर बदलने की मांग की है। कर्मचारी नेता ने कहा, डीए की दर तय करने के लिए 12 महीने के औसत को तीन महीने के औसत से बदला जाना चाहिए। इसका अर्थ है कि परिवर्तनीय डीए दिया जाना चाहिए। इससे केंद्र सरकार के कर्मचारियों को हर तीन महीने में वास्तविक मूल्य वृद्धि से मुआवजा मिल सकेगा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों

के कर्मचारियों का डीए इसी आधार पर तय होता है। इतना ही नहीं, केंद्रीय कर्मियों और पेंशनरों के लिए अलग से 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक' तैयार करने की मांग की गई है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स द्वारा 17 जनवरी को यह पत्र कैबिनेट सचिव को भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि बैंकिंग कर्मचारियों का डीए हर साल प्रत्येक तिमाही यानी फरवरी-अप्रैल, मई-जुलाई, अगस्त-अक्टूबर और नवंबर-जनवरी में संशोधित किया जाता है। यादव के मुताबिक, यदि जनवरी में मूल्य वृद्धि हो रही है, तो इसकी आंशिक भरपाई 12 महीनों के बाद की जाती है। डीए की गणना और भुगतान छह महीने के बजाय हर तीन महीने में किया जाना चाहिए। पॉइंट टू पॉइंट डीए प्रदान किया जाना चाहिए। अब डीए को न्यूनतम मूल्य पर राउंड ऑफ किया जाता है। जैसे हम 42.90% डीए के लिए पात्र हैं तो हमें केवल 42% डीए स्वीकृत किया जाता है। 0.9% डीए से केंद्रीय कर्मचारियों को छह महीने तक वंचित किया जाता है। केंद्र सरकार के कर्मियों को प्वाइंट-टू-प्वाइंट डीए प्रदान किया जाना चाहिए। बैंकों और एलआईसी के कर्मचारियों को प्वाइंट-टू-प्वाइंट डीए मिलता है।

आंध्र प्रदेश में फर्स्ट ईयर के छात्र ने किया सुसाइड

नई दिल्ली.

आंध्र प्रदेश में एक कॉलेज के छात्र ने तीसरी मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है। छात्र अपनी क्लास में बैठकर पढ़ाई कर रहा था। वह अचानक क्लासरूम से बाहर निकल आया। इसके बाद वह रेलिंग पर चढ़ा और तीसरी मंजिल से नीचे कूद गया। उसी क्लास में बैठे दूसरे छात्र तुरंत दौड़ते हुए बाहर आए। सुसाइड की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। घटना अनंतपुर जिले की है। छुट्टियों के बाद लौटा था जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्र अभी संक्रांति की छुट्टियों के बाद कॉलेज लौटा था। घटना के तुरंत बाद छात्र को कॉलेज मैनेजमेंट अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने

उसे मृत घोषित कर दिया।इसके पहले राजस्थान के कोटा में बुधवार को जेईई की तैयारी कर रहे असम के नागांव निवासी कोचिंग छात्र पराग और नीट की तैयारी कर रही अहमदाबाद निवासी कोचिंग छात्रा अफशा शेख ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पराग जवाहर नगर क्षेत्र में निजी हॉस्टल में रहकर कोचिंग कर रहा था। दोपहर उसकी मां असम से कोटा पहुंची थी। मां बेटे से मिलने हॉस्टल गई तो कई बार आवाज देने के बाद भी कमरे के अंदर से जवाब नहीं मिला। इस पर हॉस्टल संचालक ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तो पराग पंखे से फंदा बनाकर लटका मिला।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करना हुआ अब और भी महंगा

काठमांडू. नेपाल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए परमिट शुल्क में 36 प्रतिशत की भारी वृद्धि की है और दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर कचरा प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से कई उपाय भी शुरू किए हैं। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी।

नेपाल सरकार ने माउंट एवरेस्ट या माउंट कोमोलांगमा पर चढ़ाई का परमिट शुल्क बढ़ा दिया है। विदेशियों के लिए यह शुल्क 11,000 डालर से बढ़ाकर 15,000 डालर कर दिया गया है।

नई दर एक सितंबर 2025 से प्रभावी होगी। नेपाल ने आखिरी बार एक जनवरी 2015 को इसमें संशोधन किया था। इस साल वसंत के मौसम में माउंट कोमोलंगमा पर चढ़ने की इच्छा रखने वालों को बढ़ी फीस नहीं देनी होगी।

गगनयान मानव मिशन की दिशा में इसरो का पहला प्रयास

> अंतरिक्ष में भेजा क्रू मॉड्यूल

बेंगलुरु.

इसरो के लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी) ने लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम के एकीकरण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद गगनयान के पहले मानवरहित मिशन के लिए क्रू मॉड्यूल को अंतरिक्ष की कक्षा के लिए रवाना किया है। गगनयान अंतरिक्ष में मानव मिशन भेजने की क्षमता हासिल करने की दिशा में इसरो का पहला प्रयास है। इसरो गगनयान परियोजना के तहत मानवयुक्त चालक दल को रवाना करने से पहले अंतरिक्ष में एक मानवरहित मिशन भेजने की योजना बना रहा है।

क्रू मॉड्यूल एक पूर्ण स्वायत्त अंतरिक्षयान है, जिसे तीन सदस्यीय चालक दल को अंतरिक्ष की कक्षा में ले जाने और मिशन अवधि पूरी होने के बाद धरती पर सुरक्षित रूप से वापस लाने के लिए डिजाइन किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बेंगलुरु स्थित एलपीएससी ने क्रू मॉड्यूल को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया।

हवाई किराये पर हुई जमकर बहस

नई दिल्ली. संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठक में बुधवार को आसमान छू रहे हवाई किराये और सरकारी एजेंसियों और विनियामक द्वारा बहुत कम कार्रवाई से जुड़ी चिंताएं हावी रहीं। इस दौरान कई सांसदों ने यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए निजी हवाई अड्डा संचालकों और विमानन कंपनियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। पीएसी अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने बैठक को सबसे बेहतर में से एक बताते हुए कहा 'सदस्यों ने इस बारे में गंभीर चिंता जताई की एयरपोर्ट्स इकोनामिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (एईआरए) एक विनियामक की तरह उचित कार्य नहीं कर रही है। हमें स्पष्ट जवाब चाहिए। सदस्यों ने इस बारे में अपनी चिंता जाहिर की कि हवाई किराया बेहद तेजी से बढ़ रहा है और डीजीसीए या नागरिक विमानन विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार 100 नए सैनिक स्कूल खोलेगी'

> राजनाथ सिंह की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए केंद्र सरकार ने देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का फैसला किया है। सरकार का यह कदम राष्ट्र के समग्र विकास में योगदान देगा।

सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त किया- राजनाथ सिंह केरल के अलप्पुझा में विद्याधिराज सैनिक स्कूल के 47वें वार्षिक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि केंद्र सरकार ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने सैनिक स्कूलों की पहुंच देश के जिले तक बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और दूरदराज के क्षेत्रों से छात्रों को इसमें शामिल किया जा सके।

सैनिक को केवल युद्ध के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे देश स्वास्थ्य, संचार, उद्योग, परिवहन और रक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के साथ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, उसे देखते हुए शिक्षा और बच्चों के समग्र विकास में क्रांति की आवश्यकता है।

किसी सैनिक को केवल युद्ध के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक सैनिक में कई अन्य गुण होते हैं।

भ्रष्टाचार के मामले पर जवाब दें राहुल गांधी: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली.

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने झारखंड के एक मामले को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार है. वहां भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है. एक महिला अधिकारी को भ्रष्टाचार के मामले में जेल हुई. कोर्ट ने उन्हें जमानत दी और अब उनको बहाल कर दिया गया है. महिला अधिकारी का सस्पेंशन खत्म कर दिया गया है. रविशंकर प्रसाद ने कहा, कांग्रेस को इसका जवाब देना पड़ेगा. ये उनका सुशासन है. सवाल राहुल गांधी से है, जो संविधान की कॉपी दिखाते हैं. जिसमें ये है कि भ्रष्टाचार मुक्त सरकार हो लेकिन आपके मंत्री रोक नहीं पाए. हेमंत सोरेन खुद जेल गए. चुनाव जीतने से सब खत्म नहीं हो जाता. कांग्रेस, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल इसका जवाब दें.

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी

ये 'आप' और कांग्रेस की सांठगांठ है

रविशंकर प्रसाद ने दिल्ली चुनाव में राहुल गांधी की रैली कैंसिल होने पर भी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, लगातार राहुल गांधी अपनी दिल्ली की सभाएं कैंसिल कर रहे हैंक्यूं? क्योंकि उनको केजरीवाल का करप्शन और गंदे नाले दिखाने पड़ेंगे, इसलिए? वो रैली कैंसिल कर रहे हैं ताकि वोट ना बंटें? ये आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की आपसी सांठगांठ है.

अब सुभाष चंद्र बोस को याद कर रहे हैं. हमें कौतूहल है क्योंकि इनके परिवार ने कभी सुभाष चंद्र बोस को याद किया? दिल्ली में उनकी मूर्ति तक प्रधानमंत्री मोदी ने लगवाई. बीजेपी सांसद ने आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा.

उन्होंने कहा कि दस साल अरविंद केजरीवाल सीएम रहे. तब उनको रोजगार या मध्यम वर्ग की याद नहीं आई? तब तो आप शीशमहल बना रहे थे और करप्शन कर रहे थे. दिन में सपने देखने पर प्रतिबंध नहीं है.

ट्रंप के ऐलान के बाद एक्शन में अमेरिका

मेक्सिको बॉर्डर पर भेजे 1500 अतिरिक्त सैनिक

वाशिंगटन.

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद मेक्सिको, कनाडा और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है. ट्रंप अवैध प्रवासियों और बॉर्डर से होने वाली घुसपैठ को लेकर बहुत आक्रामक हैं. डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आव्रजन पर एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के दो दिन बाद, बुधवार को व्हाइट हाउस ने जानकारी दी कि अमेरिकी सेना मैक्सिको की सीमा पर 1,500 अतिरिक्त सैनिक भेजेगी. अतिरिक्त सैनिकों में 500 मरीन, साथ ही सेना के हेलीकॉप्टर चालक दल और खुफिया एक्सपर्ट शामिल हैं. ये नए सैनिक पहले से तैनात 2,200 सक्रिय ड्यूटी सैनिकों और हजारों नेशनल गार्ड में शामिल होंगे. अपने पहले कार्यकाल के दौरान रिपब्लिकन ट्रंप ने मेक्सिको से लगी सीमा पर सैन्य मौजूदगी बढ़ाते हुए 5 हजार से ऊपर सैनिक तैनात किए थे. डेमोक्रेटिक पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी इस सीमा पर सैनिकों की तैनाती बढ़ाई थी. व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने मीडिया से कहा, "ट्रंप के पहले दिन के ऑर्डर के बाद रक्षा विभाग ने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वह मातृभूमि की सुरक्षा को अपना मिशन बनाए.

छात्रों से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली.

देश गुरुवार को सुभाष चंद्र बोस की जन्म जयंती मनाई. इस दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है. पीएम नरेंद्र मोदी ने पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में मौजूद स्कूली छात्रों से मुलाकात की और देश के भविष्य को लेकर उनके विचार जाने. पीएम मोदी ने छात्रों के साथ मुलाकात का 3.27 मिनट का वीडियो भी साझा किया.

मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने छात्रों से पूछा कि 2047 तक आपका क्या लक्ष्य है, इस पर बच्चों ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाना है. बच्चों ने बताया कि 2047 तक हमारी यह पीढ़ी पूरी तरह से तैयार हो जाएगी. आजादी को 100 साल पूरे हो जाएंगे. वहां आए छात्राओं से संवाद के दौरान पीएम मोदी यह जानना चाहा कि यहां आने के लिए सुबह कितने बजे घर से निकल. छात्राओं ने बताया कि 7 से 8 के बीच निकले. खाने का डिब्बा लेकर नहीं आए और घर से ही खाकर यहां आए.बाद में ओडिशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम में पीएम मोदी का वीडियो संदेश

खुद को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाना होगा

इस अवसर पर पीएम मोदी ने पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में नेताजी सुभाष चंद्र के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की. पुराने संसद भवन को अब संविधान सदन के नाम से जाना जाता है. इस कार्यक्रम के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्री और सांसद उपस्थित थे. सभी ने आजाद हिंद फौज की टोपी भी पहन रखी थी. साथ ही पीएम मोदी ने वहां मौजूद कुछ स्कूली छात्रों से बातचीत भी की.

साझा किया गया. उन्होंने इस दौरान बताया कि नेताजी बोस ने आराम का क्षेत्र छोड़ने का विकल्प चुना. उन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष करना स्वीकार किया. उन्होंने आगे कहा कि नेताजी कभी भी कंफर्ट जोन के बंधन में नहीं बंधे.

इसी तरह आज हम सभी लोगों को विकसित भारत बनाने के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना होगा. हमें खुद को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाना होगा.